दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 3 | अंक: 04 जयपुर, बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष- प्रतिपदा, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

'सच बेधड़क' टीवी चैनल के मैनेजिंग एडिटर सुधांशु माथुर मंगलवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर में नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सच बेधड़क परिवार की तरफ से बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए।

पहली बार विधायक बनते ही भजन लाल को CM बनाने पर BJP में खुशी की लहर

समर्थक बोले- कार्यकर्ता को पहुंचाया शीर्ष पद पर, ये है भाजपा का सिद्धांत

- सीएम बनने के बाद कार्यकताओं से गर्मजोशी से मिले नए सीएम
- मोती डूंगरी गणेश मंदिर व गोविंददेव मंदिर में सपत्नीक लगाई धोक

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में शाम पांच बजते ही जगह-जगह पर ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी ने पिछले नौ दिन के प्रदेश के सबसे बड़े सस्पेंस को खत्म कर दिया। भाजपा कार्यालय में हो रही विधायक दल की बैठक में जैसे ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भजन लाल के सीएम बनने का प्रस्ताव दिया तो भाजपा के कार्यकताओं में खुशी की लहर छा गई।

भाजपा के कार्यकता बोले कि नाम चौंकाने वाला आएगा, ये तो पता था लेकिन एक साधारण कार्यकर्ता को सीएम के पद पर बैठाना, ये भाजपा में ही हो सकता है। देर रात तक भजनलाल के आवास मालवीय नगर घर पर भी काफी संख्या में लोग इकटठे हो गए। अतिशबाजी की और सभी का मुह मीठा कराया।

फोटो: राजेश कुमावत

सीएम बने फिर भी दिखाई सादगी

वहीं मुख्यमंत्री पद से सुशोभित होने के बाद भी भजनलाल शर्मा ने बड़ी सादगी दिखाई। राजभवन से सीधे भाजपा कार्यालय में आते ही उनके समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और बधाई देने की होड मच गई। इस पर भजन लाल ने भी कार्यकताओं को निराश नहीं किया। वे कार्यकर्ताओं से गले मिले और सेल्फी भी ली। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मोदी-मोदी और जय श्रीराम के नारे लगाए।

कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

भाजपा मुख्यालय के बाहर जैसे ही भजनलाल शर्मा के सीएम बनने की सूचना आई तो जमकर आतिशबाजी की गई। सांगानेर विधानसभा से आए कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ मोदी-मोदी के नारे लगाए।भाजपा मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा हुआ था। उत्सवी माहौल के बीच कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुहं मीठा कराकर बधाई दी। वहीं महिला कार्यकर्ताओं ने भी ढोल-नगाड़ों की धुन पर डांस करते हुए खुशी मनाई।

घर के बाहर लगा बधाई देने वालों का तांता

उनके मालवीय नगर स्थित घर पर शाम से ही समर्थकों की भीड़ पहुंचने लगी। हालांकि नवनिर्वाचित सीएम देर रात अपने आवास पर पहुंचे। तब तक पूरे इलाके में आतिशबाजी और मिठाई बंट चुकी थी। उनके परिवार के लोगों को भी लोग बधाई दे रहे थे। हालांकि इस दौरान पुलिस जाब्ता भी तैनात था। रात में जैसे ही भजनलाल अपने घर पहुंचे। लोगों ने उन्हें अपने कंधे पर उठा लिया और जिंदाबाद के नारे लगाने लगे।

भाजपा के दिग्गजों ने सीएम बनने पर भजन लाल को दी बधाइयां

भजन लाल शर्मा को विधायक दल का नेता बनाए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'सांगानेर विधायक श्रीभजन लाल शर्मा को राजस्थान के मुख्यमंत्री मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाई। हमें विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में आप राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। साथ ही श्री प्रेमचंद बैरवा एवं श्रीमती दिया कुमारी को भी प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मनोनीत होने पर हार्दिक शुभेच्छाएं।'

केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लिखा कि 'बहन दीया कुमारी जी और भाई श्रीप्रेमचंद बैरवा जी को राजस्थान के उप मुख्यमंत्री एवं भाई श्रीवासुदेव देवनानी जी को विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व दिए जाने पर सबकी सहर्ष सहमति बनी है। आप साथियों को असंख्य हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं! नई सरकार की नई टीम से समस्त राजस्थान परिवार उत्साहित है। मंगलकामना! वरिष्ठ विधायक श्री वासुदेव देवनानी जी को विधानसभा के अध्यक्ष बनाए जाने की हार्दिक शुभकामनाएं।'

भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने लिखा कि 'राजस्थान भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से श्रीभजन लाल शर्मा जी को विधायक दल का नेता और मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाने पर हार्दिक आत्मीय शुभकामनाएं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में आप प्रदेश को प्रगति एवं विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे तथा जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान रचेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने लिखा कि 'श्री भजन लाल शर्मा जी को राजस्थान भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में राजस्थान अब डबल इंजन सरकार के साथ विकास के नए आयाम को छुएगा। हम सभी को मिलकर प्रदेश में यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी जी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को साकार करना है।'

विधायक किरोड़ी लाल ने लिखा कि 'सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री भजन लाल शर्मा को राजस्थान भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में राजस्थान राज्य विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं'

भाजपा वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने लिखा कि 'श्री भजनलाल शर्मा जी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर अनंत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं आपके कुशल नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश विकास की नई बुलंदियों को छूएगा तथा प्रदेश का हर नागरिक खुशहाल और समृद्ध होगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। माननीय प्रधानमंत्री श्रीनरेन्द्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र और उनकी गारंटियों पर जनता ने विश्वास जताया है। निश्चित तौर पर आपके सक्षम नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन की सरकार जनआकांक्षाओं को पूरा करेगी और विगत 5 वर्षों से विकास में पिछड़ा हमारे प्रदेश एक बार पुनः विकास की पटरी पर तीव्र गति से दौड़ेगा।'

कांग्रेस नेताओं ने नवनिर्वाचित सीएम और दोनों डिप्टी सीएम को दी बधाई

बेधड़क. जयपुर।

प्रदेश में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री चुन लिया गया है। राज्य में नए मुख्यमंत्री का 15 दिसंबर को शपथग्रहण समारोह होगा। वहीं, भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद कांग्रेस नेताओं ने भी बधाई दी है। प्रदेश के निर्वतमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भजनलाल जी शर्मा को भाजपा विधायक दल का नेता बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आशा करता हूं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में आप कार्य करते हुए प्रदेश के विकास की गति को आगे भी बनाए रखेंगे एवं राजस्थान को देश का नंबर 1 राज्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में भूमिका निभाएंगे।

सीएम प्रदेश की समृद्धि के लिए कार्य करेंगे: पायलट

प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के कद्दावर नेता सचिन पायलट ने भी भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर बधाई दी। सचिन पायलट ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि 'श्रीभजनलाल शर्मा जी को राजस्थान का मुख्यमंत्री और श्रीमती दीया कुमारी, श्रीप्रेमचंद बैरवा जी को उपमुख्यमंत्री मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद हैं कि आप राजस्थान की समृद्धि और विकास के लिए कार्य करेंगे।'

प्रदेश में नए विकास युग की होगी शुरुआत: शर्मा

भजनलाल शर्मा को पूर्व मंत्री बनवारी लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री बनाए जाने पर बधाई दी और भाजपा को मजबूती मिलने की भी बात कही। उन्होंने कहा बीजेपी ने युवा के हाथ में राजस्थान की कमान सौंपी है। भरतपुर संभाग एवं धौलपुर जिले के लोगों को भजनलाल शर्मा को सीएम बनाने पर बहुत खुशी हुई है। इससे राजस्थान प्रदेश में नए विकास की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा धौलपुर जिले के बीजेपी के प्रभारी रह चुके हैं। धौलपुर के राजनीतिक हालातों को अच्छी तरह समझते हैं। पूर्व मंत्री बनवारी लाल शर्मा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बन चुकी है। राजस्थान प्रदेश में खुशहाली आएगी। सभी धर्म एवं जाति के लोगों को साथ लेकर विकास के काम किए जाएंगे। पार्टी की प्राथमिकता अपराध पर अंकुश लगाने की रहेगी।

घनश्याम तिवारी ने लिखा कि 'भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री तथा सांगानेर से विधायक श्री भजन लाल शर्मा जी को विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में राजस्थान विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित करेगा, ऐसी शुभकामनाएं हैं।'

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया ने लिखा कि 'भाजपा विधायक दल की बैठक में श्रीभजन लाल शर्मा जी को राजस्थान का मुख्यमंत्री मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'

दहेज मुक्त शादी से समाज को संदेश

जयपुर. बेधड़क। युनाइटेड इंडिया इंश्यूरेंस उप महाप्रबंधक रघुनाथ सिंह मीना ने अपने बेटे ॉ. हीरा मीना एवं डॉ. गौतम कुमार मीना ने अपनी पुत्री आकांक्षा की आदिवासी रीति-रिवाज से दहेज मुक्त शादी कर समाज को अनूठा संदेश दिया। समाज के लोगों के लिए मिसाल बनी इस शादी की हर किसी ने सराहना की। शादी में शायद ही कोई ऐसा राज्य रहा होगा, जहां से लोग नही आए हों। देशभर से लोग जयपुर के हेवेन्स गार्डन में आए और हीरा एवं परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित कर वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। शादी में पूर्व डीजीपी हरीश मीना, पूर्व सांसद और वर्तमान विधायक देवली उनियारा भी मौजूद थे। दुनिया मे अपनी बेहतरीन पहचान बनाने वाले दी प्रभु की जोड़ी ने शादी में रंगारंग प्रस्तुतियां दी। मीणा ने अपने बेटे की दहेज मुक्त शादी रचा कर समाज में दहेज की कुप्रथा को समाप्त करने का संदेश दिया। समाज के लोगों ने भी सामाजिक बदलाव के लिए दहेज की इस अनूठी पहल को अच्छा और अनुकरणीय बताया।

तीन डिप्टी एसपी, 5 पीएसओ करेंगे गहलोत की सुरक्षा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के नई सरकार में विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद राजस्थान के कार्यवाहक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राज्य इंटेलिजेंस पुलिस की अभिशंषा के आधार पर मंगलवार को सुरक्षा दी गई है।

गौरतलब हैं कि इंटेलिजेंस पुलिस के द्वारा राज्य सरकार को पत्र लिखा गया था। जानकारी के अनुसार सुरक्षा देने के पीछे गोगामेड़ी हत्याकांड को लेकर बताया जा रहा हैं। इससे कार्यवाहक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खतरा बताया गया। जिसके बाद राज्य इंटेलिजेंस द्वारा सुरक्षा देने की बात कही गई है। गौरतलब है कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत द्वारा सुरक्षा उपलब्ध नहीं करवाने पर एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। राजनैतिक कारणों से गुर्जर समाज में व्याप्त नाराजगी, विभिन्न कट्टरवादी, धार्मिक संगठनों, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, पेपर लीक प्रकरण एवं छात्र संघ चुनाव नहीं कराए जाने पर छात्र एवं युवाओं में व्याप्त नाराजगी और भू-माफियाओं एवं अवैध खनन कर्ताओं पर की गई कठोर कार्रवाई को लेकर गहलोत को खतरा बताया गया था।

गृह विभाग ने पुलिस मुख्यालय, इंटेलिजेंस को अपने स्तर पर सुरक्षा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए है। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा उपलब्ध करवाई गई। कार्यवाहक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तीन डिप्टी एसपी समेत कुल 5 व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की सुरक्षा मिल गई है। राजस्थान पुलिस की ओर से 8 दिसंबर को जारी हुए एक आदेश के अनुसार गहलोत की सुरक्षा में तीन डिप्टी एसपी, एक पुलिस निरीक्षक और एक सहायक उप निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। आदेश में बताया गया है किकार्यवाहक सीएम गहलोत की सुरक्षा में डिप्टी एसपी किशोरीलाल, डिप्टी एसपी रामनिवास और डिप्टी एसपी नीरज मेवानी को तैनात किया गया है।

प्रदेश में मौसम: माउंट आबू में लगातार गिर रहा पारा

बड़े शहरों में एक से दो डिग्री सेल्सियस बढ़ा तापमान

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में जारी सर्दी का उतार चढ़ाव लगातार जारी है। मंगलवार को प्रदेश के बड़े शहरों में तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने से लोगों को सर्दी से राहत मिली।

दोपहर में धूप खिलने से सर्दी का अहसास कम हुआ। वहीं माउंट आबू में पारे का गिरना लगातार जारी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य में फिलहाल तापमान में इसी तरह उतार-चढ़ाव बना रहेगा। 16-17 दिसंबर से तापमान में गिरावट होने और सर्दी बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में मंगलवार को सबसे कम तापमान माउंट आबू में माइनस एक डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ये दूसरा दिन है, जब माउंट आबू में पारा माइनस में दर्ज हुआ। पारा माइनस में जाने से यहां लगातार दूसरे दिन भी पेड़-पौधों की पत्तियों, घास के मैदानों, कटीली झाड़ियों पर बर्फ जमी नजर आई।

इन शहरों में बढ़ा तापमान

शेखावाटी में तेज सर्दी से लोगों को मंगलवार को बड़ी राहत मिली। सीकर में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 9.5 पर दर्ज हुआ। पिलानी में भी तापमान 2 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 9 पर आ गया। चूरू में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो कल के मुकाबले 2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। इधर, चित्तौड़गढ़,भीलवाड़ा, उदयपुर के तापमान में कोई ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं हुआ। इन शहरों में सोमवार को रात मिनिमम टेम्प्रेचर 9 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर, अलवर में मंगलवार को तापमान में एक से लेकर डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हुई।

राजधानी में मौसम रहा साफ

राजधानी जयपुर में मंगलवार को भी मौसम पूरी तरह साफ रहा और सुबह से तेज धूप निकली। जयपुर में दिन का अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। धूप में लोगों को गर्म कपड़ों में हल्की गर्मी का महसूस हुई।

गोविंदाय वासुदेवाय...

नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सपत्नी गीता शर्मा के साथ मोती डूंगरी पहुंचे और भगवान गणपति के ढोक लगाई। इसके बाद वे सीधे शहर आराध्य गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे। वहां भी वे भाजपा कार्यकताओं से मिले और गर्मजोशी से बधाई स्वीकारी। इस दौरान उन्होंने अपने पुराने साथी और निगम पार्षद विमल अग्रवाल को गले भी लगाया। इसके बाद वे भारती भवन पहुंचे। जहां संघ के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 04 जयपुर, बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष- प्रतिपदा, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

फोटो: राजेश कुमावत

भाजपा आलाकमान का आलाकदम

विनायक शर्मा

भारतीय जनता पार्टी की कमान जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाली है, तब से सियासी हलकों में यह दो बातें खुली और दबी-छिपी जुबान में स्वीकार की जाती रही हैं, एक तो यह कि इस 'राजनीतिक द्वय' के होते जीत तकरीबन तय है, ये हर परिस्थिति को अपने माकूल बनाने की कुव्वत रखते हैं। और दूसरा यह कि ये अपने निर्णयों से हमेशा चौंकाते हुए हालात को पार्टी के अनुकूल बना लेते हैं। हाल ही में तीन प्रदेशों राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में इन्होंने तमाम कयासों को धता बताते हुए न सिर्फ पार्टी को जीत दिलाई, बल्कि मुख्यमंत्री भी ऐसा चुना कि सब चौंक गए, यहां तक कि विरोधियों को इनके बारे में क्या बयान दें, यह तक नहीं सूझ रहा है। और तो और, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में पूर्व में तगड़ी जीत दिलाने वाले मुख्यमंत्रियों के दौड़ में होते हुए भी नए चेहरों को चुनकर तमाम कयासों को तो झुठलाया ही, यह भी जता दिया कि भाजपा की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चुनाव संयोजन के साथ मोदी के चेहरे तथा 'कमल' निशान पर मिली है, जिसका ऐलान पार्टी ने चुनाव पूर्व कर दिया था। हां, इसमें हमेशा की तरह आरएसएस का अतुलनीय सहयोग तो है ही। तीनों राज्यों में चौंकाना तो मोदी-शाह का चिरपरिचित अंदाज था ही, मकसद नहीं। अलबत्ता मकसद था सोशल इंजीनियरिंग का अकाट्य ताना-बाना बुनने का, जो वाकई जबरदस्त रहा। यह आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर हुआ और लगता है इसका सुफल भी सामने आएगा। एक नजर नामों पर तो यह तथ्य स्वतः सत्य प्रतीत होगा। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री, अरुण साव और विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री तथा रमन सिंह विधानसभाध्यक्ष। इससे बेहतर कोई और सोशल इंजीनियरिंग हो तो बताएं, नहीं हो सकती। अब बात करते हैं दो-दो उपमुख्यमंत्री बनाने की।

तो, बता दें इस फॉर्मूले का इस्तेमाल अन्य दलों ने भी किया, लेकिन नाराजगियां मिटाने और मनाने में, लेकिन पीएम मोदी और शाह ने किया सोशल इंजीनियरिंग में। अब देखें आंध्र प्रदेश में तो पांच उपमुख्यमंत्री तक बने, अन्य जगह भी कहीं तीन, कहीं दो बने, लेकिन साधे गए नेता, जबकि भाजपा ने साधा जनमानस को। यही कारण है कि सफलता-दर-सफलता मिलती जा रही है और आगे भी मिलती जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। बात करें बड़े नामों वाले नेताओं को साधने की तो राजस्थान की पिछली सरकार को ही लें, हर रिपोर्ट में साफ कहा गया था कि अगर करीब डेढ़ दर्जन मंत्रियों और पांच दर्जन विधायकों के टिकट नहीं कटे तो भारी पड़ेगा। यही हुआ, कांग्रेस का नेतृत्व नेताओं को साधने के फेर में बड़े नामों और पुराने विधायकों के टिकट काटने का साहस नहीं जुटा सका, जनमानस की उपेक्षा की, नतीजा सामने है। वहीं, दूसरी ओर भाजपा हाईकमान ने यह काम साहस नहीं, बल्कि सहजता से कर डाला, बागियों की परवाह नहीं की, दो-चार सीटों के लिए दर्जन-डेढ़ दर्जन सीटों को दांव पर लगाना कबूल नहीं किया, तो स्पष्ट बहुमत के पार पहुंच गई। अब सोशल इंजीनियरिंग के दौरान भी भाजपा ने बड़े नामों और दावों को किनारे कर ऐसे नेताओं के हाथों में कमान सौंपी, जिनमें मन में जन सेवा की भावना है, कुछ कर गुजरने की तमन्ना है, वे टाइप्ट नहीं है। इसके गहरे मायने हैं और आगामी कई चुनावों में इनके सुपरिणाम भी दिखने तय लगते हैं।

राजनाथ ने पर्ची थमाई, जिस पर राजे ने रखा प्रस्ताव

भजनलाल का राजस्थान

- नए सीएम ने राज्यपाल को पेश किया सरकार बनाने का दावा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में नए मुख्यमंत्री को लेकर एक सप्ताह से चल रहा सस्पेंस मंगलवार को शाम होते-होते समाप्त हो गया। सांगानेर से पहली बार विधायक चुने गए संघ पृष्ठभूमि के भजनलाल शर्मा प्रदेश के नए मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए। साथ ही, विद्याधर नगर से विधायक चुनी गईं दीया कुमारी (वे पहले सांसद थीं) और दूदू से विधायक बने प्रेमचंद बैरवा उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा अजमेर उत्तर से विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता वासुदेव देवानानी को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे रक्षा मंत्री व प्रदेश में पर्यवेक्षक बनाए गए राजनाथ सिंह जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उनकी पूर्व सीएम वसुंधरा राजे व अन्य नेताओं ने अगवानी की। एयरपोर्ट से राजनाथ वसुंधरा राजे के साथ ही प्रदेश कार्यालय पहुंचे।

दोपहर करीब सवा तीन बजे सबसे पहले सभी नवनिर्वाचित विधायकों का राजनाथ सिंह के साथ फोटो सेशन हुआ। उसके बाद करीब शाम 4:11 बजे विधायक दल की बैठक हुई। जहां पर्यवेक्षकों ने एक पर्ची में भावी सीएम का नाम वसुंधरा राजे को दिया। फिर, वसुंधरा राजे ने ही पर्ची में दिए गए भजनलाल के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद महज 4 मिनट में विधायकों ने नए सीएम भजनलाल के नाम पर हाथ खड़े कर सहमति जता दी। सीएम चुने जाने के बाद भजनलाल ने सबसे पहले मोदी व वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया तथा कहा कि सभी नेताओं के साथ मिलकर राजस्थान का सर्वांगीण विकास करेंगे। बैठक के दौरान ही दोनों उप मुख्यमंत्रियों व विधानसभा स्पीकर के नाम की भी घोषणा की गई।

- भाजपा हाईकमान ने तीनों बड़े पद जयपुर को ही देकर फिर चौंकाया

दो डिप्टी सीएम बनाए | विधानसभाध्यक्ष

मनोनीत उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी और प्रेमचंद बैरवा तथा विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी

> **सिर्फ भाजपा ही एक कार्यकर्ता को मौका देती है**

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही है जो उनके जैसे साधारण कार्यकर्ता को मौका देती है। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में शर्मा ने कहा कि राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा, "मैं इतना विश्वास दिलाना चाहता हूं कि राजस्थान की यह जो टीम है... राजस्थान के जो हमारे सभी विधायक हैं... निश्चित रूप में हमसे, भाजपा से जो राजस्थान की अपेक्षा हैं, हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान का पूरी तरह से सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगे। यह मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं।"

15 दिसंबर को हो सकता है शपथ ग्रहण

विधायक दल की बैठक के बाद भजनलाल शर्मा सहित सभी भाजपा नेता राजभवन पहुंचे। यहां उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने भाजपा को सरकार बनाने का न्यौता दिया है। 15 दिसंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण हो सकता है। 15 दिसंबर को ही भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है।

33 साल बाद मिला प्रदेश को ब्राह्मण मुख्यमंत्री

राजस्थान में 33 साल बाद ब्राह्मण चेहरे को मुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले कांग्रेस से हरिदेव जोशी राजस्थान के तीन बार सीएम रहे हैं। सबसे पहले वे सन 1973 से 1977 तक, फिर 1985 से 1988 तक और फिर 1989 से 1990 तक सीएम रहे।

ब्राह्मण, राजपूत और दलितों को एक साथ साधा

भाजपा ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के चयन के जरिए ब्राह्मण, राजपूत और दलित कार्ड खेला है। ब्राह्मण को मुख्यमंत्री और राजपूत को उप मुख्यमंत्री बनाकर सामान्य वर्ग में भी भाजपा ने एक बड़ा मैसेज दिया है। वहीं प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री बनाकर दलित कार्ड भी खेला है।

फोटो सेशन में चौथी पंक्ति में खड़े थे भजनलाल

प्रदेश मुख्यालय में बैठक से पहले राजनाथ के साथ सभी विधायकों का ग्रुप फोटो सेशन हुआ है। फोटो सेशन के दौरान वसुंधरा राजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बिल्कुल बगल में बैठे थे। वहीं, भजनलाल शर्मा चौथी पंक्ति में खड़े थे। दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा दूसरी पंक्ति में थे, वहीं वासुदेव देवनानी पहली पंक्ति में बैठे हुए थे।

परिवार और राजनीतिक सफर

भजनलाल शर्मा का का जन्म 1967 में राजस्थान के भरतपुर जिले के एक छोटे से गांव अटारी में हुआ था। पिता किशन स्वरूप शर्मा और मां गोमती देवी हैं। दोनों अभी अटारी गांव में ही रहते हैं। भजनलाल की पत्नी गीता भी पंचायत समिति सदस्य रह चुकी हैं। बड़ा बेटा आशीष प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है, छोटा बेटा कुणाल डॉक्टर है। इनका खेती और खनिज उपकरण का बिजनस है। उन्होंने 10वीं क्लास 1984 और 12वीं क्लास 1986 में नदबई के गगवाना हाईस्कूल से पास की। इसके बाद बीए 1989 में एमएसजे कॉलेज, भरतपुर से की। 1993 में राजस्थान यूनिवर्सिटी से प्राइवेट राजनीति शास्त्र से एमए किया। बचपन कमजोर आर्थिक हालात में बीताया, लेकिन उन्होंने अपनी शिक्षा को कभी बाधित नहीं होने दिया। बाद में अपना कॅरिअर बनाने का फैसला किया।

27 साल की उम्र में बने थे सरपंच

- भजनलाल शर्मा ने सांगानेर (जयपुर) से पहले 2003 में नदबई (भरतपुर) विधानसभा सीट से सामाजिक न्याय मंच से चुनाव लड़ा था, लेकिन बीजेपी प्रत्याशी के सामने उनकी जमानत जब्त हो गई थी।
- युवा मोर्चा के नदबई मंडल के अध्यक्ष के रूप में भजनलाल की बीजेपी में एंट्री हुई थी। नदबई में वे एबीवीपी के अध्यक्ष और प्रमुख रहे, फिर भरतपुर जिले के सह संयोजक और कॉलेज इकाई प्रमुख व जिला सह प्रमुख बने थे।
- युवा मोर्चा भरतपुर के जिला मंत्री, जिला उपाध्यक्ष, जिला महामंत्री और 3 बार जिला अध्यक्ष भी रहे। इसके बाद भाजपा में जिला मंत्री, जिला महामंत्री और जिला अध्यक्ष भी रहे।
- 1992 में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में जेल भी जा चुके हैं। 1990 में एबीवीपी के कश्मीर मार्च में भी सक्रिय रूप से जुड़े और उधमपुर तक का मार्च किया था। इस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी भी दी थी।
- भजनलाल को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे अशोक परनामी, मदन लाल सैनी, सतीश पूनियां और वर्तमान अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ महामंत्री के रूप में काम करने का अनुभव भी है। भजनलाल प्रदेश महामंत्री के रूप में अपने तीन-तीन साल के दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार भी महामंत्री बने रहे। इससे पहले वे प्रदेश उपाध्यक्ष भी रहे हैं।
- संघ की पृष्ठभूमि के कारण महामंत्री रहते उनको भाजपा ने महत्वपूर्ण और सेफ सीट से सांगानेर से मौका दिया। टिकट भी केंद्रीय नेतृत्व के दखल से तय किया गया था।

आंखों देखी... झलकियां

दिनभर चले घटनाक्रम का 'सच बेधड़क' ने किया लाइव कवरेज

सुबह 10 बजे: प्रदेश कार्यालय में बढ़ी चहल-पहल। विधायकों के पहुंचने का सिलसिला चला। दोपहर 2 बजे तक सभी विधायक, पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता प्रदेश मुख्यालय पहुंच चुके थे।

दोपहर 1:15 बजे: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर करीब डेढ़ बजे सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचे। वहां मौजूद पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी व अन्य नेताओं ने राजनाथ का स्वागत किया। राजनाथ सीधे होटल पहुंचे जहां लंच के बाद शाम करीब 3.45 बजे पार्टी कार्यालय पहुंचे।

शाम 4: 05 पर विधायकों के साथ फोटो सेशन के बाद राजनाथ वन-टू-वन सभी विधायकों से मिले। इस दौरान वसुंधरा राजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बिल्कुल बगल में बैठीं। वहीं, भजनलाल शर्मा चौथी पंक्ति में रहे। दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा दूसरी पंक्ति में थे... तो, वासुदेव देवनानी पहली पंक्ति में।

शाम 4: 15 बजे: विधायक दल की बैठक हुई। करीब 5 से 6 मिनट में नए सीएम का ऐलान हुआ। दो उपमुख्यमंत्रियों व विधानसभा स्पीकर का नाम भी तय हुआ।

शाम 5 बजे: राजभवन पहुंचे भाजपा नेताओं में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व सीएम वसुधंरा राजे, सीपी जोशी के साथ नवनिर्वाचित सीएम व दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने राज्यपाल से मुलाकात की। इसके बाद सरकार बनाने का दावा पेश किया।

शाम 7 बजे: नए सीएम भजनलाल ने सर्वप्रथम मोतीडूंगरी गणेश जी के दर्शन किए। इसके बाद वें सीधे जयपुर के आराध्य गोविंददेव जी मंदिर पहुंचे जहां महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने पूजा-अर्चना कराई।

जरूरी खबर

दुनिया के ट्रेंडिंग डेस्टिनेशंस में शुमार हुआ उदयपुर

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अगर आप ट्रेंडिंग डेस्टिनेशन की सूची देखेंगे तो उसमें उदयपुर का नाम भी टॉप पर मिलेगा। अमरीकन एक्सप्रेस ट्रेवल के वर्ष 2024 के ट्रेंडिंग डेस्टिनेशंस के लिए जिन 10 शहरों की सूची जारी की है उसमें भारत से उदयपुर का नाम है। इन ट्रेंडिंग डेस्टिनेशंस में झीलों की नगरी उदयपुर को भी उन्होंने बताया कि विश्व में कही घूमने जा रहे हैं तो इस शहर को भी चुन सकते हैं।

शहर के नलों में आ रह गंदा पानी, बीमार हो रहे लोग

अलवर। शहर के बीचों बीच प्रतापबास के काफी घरों में गंदा पानी आने से लोग परेशान हैं। करीब 6 माह से गंदा पानी अधिक आया है। बीच-बीच में कॉलोनी के लोगों ने विरोध जताया। इसके बाद कुछ सुधार हुआ। अब वापस गंदा पानी नलों के जरिए घरों में पहुंच रहा है। गंदे पानी के कारण काफी लोग बीमार भी हो चुके हैं। यहां के वार्ड पार्षद निरंजन सैनी भी पीलिया की चपेट में आ चुके हैं। स्थानीय निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि जलदाय विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करा दिया। आमजन ने रोड भी जाम किया। विरोध करने पर लीकेज को ठीक किया गया। अब वापस गंदा पानी आने लगा है।

फर्जी दस्तावेज से लाखों का लोन लेने वाले को धरा

सीकर। जिले की दांतारामगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी डॉक्यूमेंट बनाकर बैंक से लाखों रुपए का लोन लेने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 9 साल से फरार चल रहा था। दांतारामगढ़ थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 मई 2014 को पंजाब नेशनल बैंक, दांतारामगढ़ के ब्रांच मैनेजर बाबूलाल बोयल ने पुलिस को थी। इसमें बताया था कि आरोपी आयुवान सिंह (67) निवासी हुडिल, डीडवाना-कुचामन ने 14 अन्य ग्राहकों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर केसीसी लोन खातों से 74.80 लाख का लोन लिया था।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 का निकाला रोड शो, गुजरात के कृषि मंत्री ने की शिरकत

प्रदेश के निवेशकों से गुजरात में व्यापार विस्तार का आह्वान

बेधड़क | जयपुर

वाइब्रेंट गुजरात-2024 प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को गुजरात के कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास मंत्री राघवजी पटेल के नेतृत्व में जयपुर में रोड शो का सफलतापूर्वक आयोजन किया। मंत्री पटेल ने राजस्थान के निवेशकों को गुजरात में अपने व्यापार का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया।

कार्यक्रम में गुजरात सरकार के अधिकारियों सहित उद्योग जगत के कई जाने-माने लोग भी शामिल हुए। रोड शो कार्यक्रम में मंत्री राघवजी पटेल ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की सफलता के बारे में साझा करते हुए कहा कि गुजरात पिछले दो दशकों से डोमेस्टिक और इंटरनेशनल, दोनों निवेशकों के लिए सबसे पसंदीदा जगह बन गया है। गुजरात को वर्ष 2002-2022 के बीच कुल 55 बिलियन अमेरिकी डॉलर का क्यूमलेटिव एफडीआई प्राप्त हुआ है। रोड शो का आयोजन, व्यवसायों एवं कंपनियों के लिए आईटी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्ल, एयरोस्पेस एंड डिफेंस, केमिकल एंड पेट्रो केमिकल्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने और जीआईएफटी सिटी, धोलेरा एसआईआर, बायोटेक पार्क जैसी फ्यूचरिस्टिक परियोजनाओं में निवेश को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से किया गया।

राघवजी पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के विजन पर प्रकाश डाला। मंत्री पटेल ने बताया कि 2022-23 में गुजरात पूरे देश के निर्यात में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि मिडल-ईस्ट, अफ्रीका और यूरोप तक पहुंचने की इच्छा रखने वाली राजस्थान की कंपनियां,र गुजरात में विस्तार करने के अवसर तलाश सकती हैं।

गुजरात में 13 लाख से ज्यादा एमएसएमई रजिस्टर्ड

वहीं राज्य की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात एमएसएमई का हब है और यहां 13 लाख से ज्यादा एमएसएमई रजिस्टर्ड हैं, जो 84 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रही हैं। गुजरात में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त 7300 से ज्यादा स्टार्ट-अप्स हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में जीआईएफटी सिटी, डायमंड रिसर्च और मर्केंटाइल सिटी, साणंद में मैन्युफैक्चरिंग हब, लॉजिस्टिक्स पार्क्स, दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और हाई-स्पीड रेल और वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर हैं। पेट्रोलियम, रसायन व पेट्रोकेमिकल्स जैसे निवेश क्षेत्रों का भी केंद्र है।

उद्योगपतियों से भी की चर्चा

रोड शो के बाद, गुजरात सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री राघवजी पटेल ने इंसोलेशन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से मनीष गुप्ता, जयपुर रग्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड से एनके चौधरी, द्वारका जेम्स लिमिटेड से कृष्ण बिहारी गोयल, अक्षय इंफ्रासिस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड से अक्षय हाडा, धूत संगेमरमर लि से राघव धूत के साथ चर्चा की। साथ ही, इंडियन हेरिटेड हॉल एसोसिएशन, होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के साथ एक राउंडटेबल डिस्कशन भी किया गया। गुजरात सरकार के शहरी विकास और शहरी आवास विभाग के नगर पालिका प्रशासन कार्यालय के आयुक्त राजकुमार बेनीवाल ने गुजरात में मौजूद विभिन्न व्यावसायिक अवसरों पर प्रेजेंटेशन दिया।

भाजपा कार्यकर्ताओं सहित संस्था व संगठनों ने मनाया जश्न

भजन लाल के CM बनने से प्रदेशभर में खुशी की लहर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से ही भाजपा में मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर चल रही अटकलों पर उस समय विराम लग गया जब केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नए चेहरे के रूप में भजन लाल शर्मा का नाम सीएम के लिए घोषित किया गया। सीएम के नाम की घोषणा ने हर किसी को चौंका दिया। पहली बार चुनाव जीतकर विधायक बने पार्टी के कार्यकर्ता का ऐसा सम्मान देखकर पार्टी कार्यकर्ताओं तो खुशी से झूम उठे वहीं प्रदेशभर में ब्राह्मण संगठनों के साथ ही अन्य संस्था-संगठनों के पदाधिकारियों ने भी खुशी जताई। किसी की भी उम्मीद और सोच से परे होकर की गई मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा को लेकर दिनभर चर्चा चलती रही। मुख्यमंत्री के नाम ने हर किसी को हैरत में डाल दिया। बहरहाल प्रदेश को नया मुखिया मिलने के बाद प्रदेशभर में खुशी की लहर दोड़ी नजर आई। पेश है भजनलाल शर्मा को सीएम बनाने के बाद प्रदेश में उमंग और उत्साह के नजारे पर एक रिपोर्ट।

सोजत (पाली): भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर

प्रदेश में नए मुख्यमंत्री के घोषणा के बाद सोजत में जश्न का माहौल दिखाई दिया। भाजपा की ओर से राजपोल गेट पर पटाखे चलाए और आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। वहीं एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर कार्यकर्ताओं ने दी बधाइयां दी। इस दौरान राजपोल गेट के आस-पास का इलाका भारत माता के जयकारो से गुंजयमान हो उठा। भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज त्रिवेदी, जुगल किशोर निकुंम सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भरतपुर: सीएम के गांव में दिखा उत्सवी माहौल

सांगानेर विधायक भजनलाल शर्मा को सीएम बनने की घोषणा होते ही नदबई में आतिशबाजी और जश्न का माहौल दिखाई देने लगा। गौरतलब है कि भजनलाल शर्मा नदबई तहसील के गांव अटारी गांव के रहने वाले हैं। ऐसे में यहां जश्न का माहौल अलग ही दिखाई दिया। गांव में डीजे की धुन पर ग्रामीण डांस करते रहे। वहीं सीएम के गांव अटारी में महिलाओं ने भी जमकर खुशी मनाई और डीजे पर लोकगीतों की धुन पर झूमती नजर आई। वहीं जगह-जगह आतशबाजी से माहौल उत्सवी नजर आया। लोगों ने जगह-जगह मिठाइयां बांटी।

राजगढ़: पीएम के निर्णय को सराहा

भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाए जाने ब्राह्मण समाज व भाजपा कार्यकर्त्ताओ ने खुशी से सराबोर होकर जमकर जश्न मनाया। इस दौरान पटाखे चलाकर मिठाई बांटी गई। ब्राह्मण समाजबंधुओं ने सीएम के लिए भजन लाल के नाम का निर्णय लेने के लिए पीएम मोदी की सराहना की। इस मौके पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेश शर्मा, सचिव प्रदीप शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्त्ता मौजूद रहे। वहीं खैरथल जिले के भिवाड़ी में भी जश्न का माहौल नजर आया। विप्र सेना के अध्यक्ष अशोक कौशिक के नेतृत्व मे समाजबंधुओं ने खुशी मनाई।

सिरोही रेवदर: विप्र फाउंडेशन ने जताई खुशी

का जश्न मनाया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने तहसील चौराहे पर पटाखे चलाकर व मिठाई बांटी बांटकर खुशी जताई। यहां ब्राह्मण सहित सर्वसमाज के लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। इस मौके पर विप्र फाउंडेशन के प्रदेश सचिव अरविन्द पुरोहित सहित समाज के कई गणमान्य लोग एवं अन्य कई समाजों के लोग मौजूद रहे।

देवनानी को स्पीकर बनाने पर खुशी से झूमा अजमेर

अजमेर। पूर्व शिक्षा मंत्री और भाजपा के अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी को विधानसभा स्पीकर बनाया गया है। देवनानी 5 बार के विधायक हैं और संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। वे दो बार भाजपा सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। इस बार हुए चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के महेंद्र सिंह रलावता को 8630 वोटों से हराया था। देवनानी 1958 से RSS से जुड़े थे। इसके बाद 1968 में विद्यार्थी परिषद् में शामिल रहे। उनके विधानसभा स्पीकर बनाए जाने की घोषणा होते ही अजमेर फॉयसागर रोड स्थित उनके घर के बाहर कार्यकर्ता और समर्थक पहुंच गए। जहां उन्होंने आतिशबाजी कर खुशी जताई और आपस में एकदूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। अजमेर के गांधी भवन पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया।

तीर्थ पुरोहितों ने किया सरोवर का अभिषेक

सांगानेर विधायक भजनलाल शर्मा के राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के बाद पुष्कर में तीर्थ पुरोहित खुशी से झूम उठे। इस मौके पर तीर्थ पुरोहितों ने पवित्र सरोवर का दुग्धाभिषेक व पूजा-अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली की कामना की। पुष्कर में लोगो ने एक दूसरे को बधाईयां देकर खुशी जताई। इस अवसर पर श्रीतीर्थ पुरोहित संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में तीर्थ पुरोहितों ने पवित्र सरोवर के ब्रह्म घाट पर दुग्ध अभिषेक कर महा आरती का की। नव नियुक्त मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 7 जुलाई 2019 को पुष्कर आए थे और ब्रह्म घाट पर पूजा-अर्चना की थी।

नशे के सौदागरों पर नकेल

NCB की टीम ने पकड़ा 297 किलो डोडा पोस्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

बेधड़क | जोधपुर

जिले की एनसीबी टीम ने भीलवाड़ा में नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत जोधपुर एनसीबी टीम ने नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। एनसीबी टीम ने 44 लाख से ज्यादा की कीमत का 297 किलो डोडा-पोस्त बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

टीम को मुखबिर की सूचना पर नशे की खेप सप्लाई होने की जानकारी पहले ही मिल गई थी। इसके बाद से एनसीबी टीम इन तस्करों को ट्रैप करने के लिए लगातार नजर बनाए हुई थी। एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि जोधपुर टीम ने भीलवाड़ा स्टेट हाईवे-7 पर गोपालपुरा टोल के पास पुलिस टीम के साथ नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान एनसीबी टीम ने दो संदिग्ध कारों को रुकवाया। एनसीबी टीम को वाहनों की जांच के दौरान कार में 15 कट्टों में भरा हुआ डोडा पोस्त मिला, जिसे टीम ने जब्त कर लिया। टीम ने कार सवार मांडलगढ़ खाचरोल निवासी सत्यनयन उर्फ सत्तू जाट (33) पुत्र उदयलाल जाट, खारचोन निवासी राकेश कुमार (26) पुत्र विनोद कुमार वर्मा व गोविंद शर्मा (23) पुत्र रामचंद्र सुकेवाला को गिरफ्तार किया है। एनसीबी टीम की ओर से जब्त किए डोडा-पोस्त को बिगोद थाने लाया गया। जहां उसका वजन करने पर 297 किलोग्राम पाया गया। इस डोडा पोस्त की बाजार में कीमत करीब 44 लाख से ज्यादा आंकी गई है। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि वह इस डोडा पोस्त को चित्तौड़गढ से लेकर आए थे और शाहपुरा में उसे सप्लाई करना था।

देवी वटयक्षणी व महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा आज से

जोधपुर। श्रीश्रीमाली ब्राह्मण पाराशर गौत्र परिवार एवं पर्यावरण विकास संस्थान की ओर से जोधपुर शहर में कुलदेवी वटयक्षणी माता एवं पारेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय आयोजन बुधवार से शुरू होगा।

किलारोड, चांदपोल डे बाहर स्थित श्रीरिकतेश्वर मैक नाथ मंदिर परिसर आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अनेक धार्मिक गतिविधियां होंगी। अध्यक्ष लक्ष्मण राज त्रिवेदी ने बताया की दोपहर 3 बजे से जलयात्रा निकाली जाएगी जो पद्मसर तालाब जोधपुर से रवाना होकर रिकतेश्वर मैकनाथ मन्दिर पहुंचेगी। उपाध्यक्ष डॉ. आनन्द प्रकाश व्यास ने बताया कि 14 दिसंबर को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक पूजा-अर्चना एवं हवन किया जाएगा। सचिव कैलाश चन्द्र विवेदी ने बताया कि 15 दिसम्बर को सुबह 9 बजे से गर्भगृह में प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। शाम को आरती के बाद पंगत प्रसादी होगी।

खुद की चिता सजाई किया अंतिम संस्कार

बेधड़क | कोटा

कोटा के किशोरपुरा मुक्तिधाम पर मंगलवार को एक दंपती ने मिसाल कायम करते हुए देहदान का अनूठा संकल्प लिया। इसके तहत दोनों ने खुद की चिता सजाई और अग्नि संस्कार किया। इस नजारे को देखकर हर को हैरान रह गया। एक पति-पत्नी खुद की ही चिता को अग्नि देने मुक्ति धाम पहुंचे।

इससे पहले शव यात्रा भी निकाली। इसमें लाश की जगह पुतले को रखा गया और चिता सजाकर अग्नि संस्कार किया गया है। कोटा में संचालित कर्मयोगी सेवा संस्थान के संयोजक राजाराम कर्मयोगी ने यह आयोजन किया। इसके तहत उन्होंने खुद की अंतिम यात्रा किशोरपुरा मुक्तिधाम तक निकाली। वहां पर चिता सजाई गई, जिसमें पुतले को रखा गया। इसके बाद राजाराम कर्मयोगी ने खुद की चिता को अग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी भी साथ मौजूद थी। कर्मयोगी सेवा संस्थान लावारिस के अंतिम संस्कार का काम करती है। इसके अलावा श्राद्ध पक्ष में लावारिस दिवंगतों की आत्मशांति के लिए श्राद्ध कर्म भी करवाती है। राजाराम कर्मयोगी ने शादी की पांचवी सालगिरह पर 2017 में पत्नी अल्का दुलारी की आदमकद मूर्ति बनाई थी।

शिक्षा नगरी में छात्र पर हमला

जेईई छात्र को लोहे की चेन और सरिए से पीटा... मौत

■ अंदरूनी रक्तस्राव बताया मृत्यु का कारण

बेधड़क | कोटा

शिक्षा नगरी में एक छात्र के साथ वहशी तरीके से मारपीट करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने छात्र को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इसके चलते अंदरूनी रक्तस्राव होने से उसकी मौत हो गई। इस बीच जब लोगों की भीड़ जुटना शुरू हुई तो आरोपी लहूलुहान हालत में छात्र को वहीं पटक कर भाग निकले।

बाद में छात्र दो दोस्तों ने उसे घर पहुंचाया। रात को घर पर तबीयत बिगड़ने पर उसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला कोटा के जवाहर नगर इलाके के इंद्र विहार का है। कोटा डीएसपी भवानी सिंह ने बताया

कि छात्र सत्यवीर (17) यूपी के गोरखपुर का रहने वाला था। वह कोटा में रहकर 2 साल से जेईई की तैयारी कर रहा था। वह इंद्र विहार इलाके में अपनी मां के साथ रह रहा था। सोमवार शाम करीब 7 बजे दोस्तों के साथ पंजाबी मेस के पास एक थड़ी पर चाय पी रहा था। इस दौरान दर्जनभर बदमाश वहां आए और सत्यवीर पर सरिए से हमला कर दिया।

यहां किराने की दुकान चलाने वाले प्रत्यक्षदर्शी गजेंद्र ने बताया कि घटना के वक्त मैं और मेरी बहन दुकान पर थे। इस दौरान 9-10 युवक मुंह पर कपड़ा बांधे एक युवक के पीछे भाग रहे थे। वह मेरी ही दुकान के सामने आकर गिरा। हमलावरों के हाथ में लोहे के सरिए और चेन थी। वह छात्र को पीट रहे थे। इतने में भीड़ जुटने लगी तो हमलावर उसको छोड़कर भाग गए। कुछ ही देर बाद युवक के दो दोस्त यहां ऑटो लेकर आए और उसे ले गए।

हमलावर बोलचाल से लगे बिहार के

इंद्र विहार कॉलोनी में घटनास्थल के पास ही रहने वाले जेके जैन भी घटना के वक्त छत पर टहल रहे थे। उन्होंने बताया कि घटना शाम 7 बजे के आस-पास की है। उस समय मैं छत पर टहल रहा था। इस दौरान कुछ लड़के दौड़ते हुए आए और एक लड़के को पीटने लगे। उनकी बोलचाल से लग रहा था कि वे बिहार के रहने वाले हैं। हमलावरों ने छात्र को बुरी तरह से पीटा। बाद लोगों को आता देखकर हमलावर लहूलुहान हालत में छात्र को छोड़कर फरार हो गए।

रात में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम

सत्यवीर के दो दोस्तों ने उसे घर पहुंचाया। रात करीब 10 बजे उसकी तबीयत बिगड़ी। इस पर उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोटा डीएसपी भवानी सिंह ने बताया कि सत्यवीर के सिर और मुहं पर चोटें आई थीं। इसके कारण अंदरूनी रूप से खून बहने के चलते छात्र की मौत हुई है। फिलहाल घटना का कारण सामने नहीं आया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दस संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 04 जयपुर, बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष- प्रतिपदा, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

CBSE:10वीं और 12वीं की परीक्षा 15 फरवरी से

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की तारीख की घोषणा की। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी। सीबीएसई के मुताबिक, 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 13 मार्च को और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं दो अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि परीक्षा कार्यक्रम तैयार करते समय बोर्ड ने इस बात का ध्यान रखा है कि दो विषयों के बीच समय का पर्याप्त अंतर हो। बारहवीं कक्षा के लिए परीक्षा कार्यक्रम तय करते समय जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखों को ध्यान में रखा गया है।

गणतंत्र दिवस पर भारत नहीं आएंगे जो बाइडेन

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए भारत यात्रा पर नहीं आएंगे। अधिकारियों ने बताया कि भारत क्वाड सम्मेलन को जनवरी के बजाय बाद में किसी तारीख पर आयोजित करने पर विचार कर रहा है। भारत की क्वाड सम्मेलन को पहले जनवरी में कराने की योजना थी। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सितंबर में कहा था कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार

अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

पुलिस इन्वेस्टिगेशन दोनों शूटर्स को वहीं लेकर पहुंची पुलिस, जहां पर हुई थी हत्या

सुखदेव सिंह हत्याकांड का क्राइम सीन किया रीक्रिएट

बेधड़क। जयपुर

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में जयपुर पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ मिलकर पूरे हत्याकांड का सीन री-क्रिएट किया। सीन रीक्रिएशन में दोनों आरोपियों को उसी जगह बैठाया गया, जहां वे हत्या के समय मौजूद थे। इसके बाद पूरे सीन को दोहराया गया। टीम ने दोनों शूटर रोहित और नितिन से

जानकारी जुटाई कि सुखदेव सिंह, नवीन और अजीत को कितनी-कितनी गोली मारी।

20 मिनट चला री क्रिएशन

सुखदेव गोगामेड़ी हत्याकांड सीन को री-क्रिएट करने के लिए भारी सुरक्षा के बीच शूटर रोहित और नितिन को गोगामेड़ी के श्याम नगर रिश्थत घर ले जाया गया। यहां करीब 20 मिनट तक हत्याकांड को री-क्रिएट किया गया। सीन में सुखदेव और नवीन के डमी बैठाए गए। उसके बाद हत्याकांड को दोहराया गया।

घायल सुरक्षा गार्ड की उपचार के दौरान मौत

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के दौरान गोलीबारी में घायल सुरक्षा गार्ड की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। अजीत सिंह उन पीड़ितों में से एक थे जिस पर पांच दिसंबर को श्याम नगर इलाके में गोगामेड़ी के आवास पर शूटर रोहित और नितिन ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी और गोली लगने से वह घायल हो गए थे।

एनआईए को आज सौंपी जाएगी फाइल

एडिशनल कमिश्नर प्रथम कैलाश चंद्र विश्नोई ने बताया कि सुखदेव हत्याकांड में एनआईए ने एफआईआर दर्ज की है। इस एफआईआर के कोर्ट में पेश होने के बाद बुधवार को फाइल एनआईए को सौंप दी जाएगी। वहीं महेंद्र की पत्नी पूजा सैनी को टीम ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे दो दिन के रिमांड पर लिया गया।

अब तक आठ आरोपी गिरफ्तार

गोगामेड़ी हत्याकांड में पुलिस अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें मुख्य आरोपी नितिन फौजी और रोहित राठौड़ के साथ-साथ उनके साथी रामवीर जाट, उधम सिंह, भवानी उर्फ रोनी, राहुल, संदीप और लेडी डॉन पूजा सैनी का नाम शामिल है। आरोपी रामवीर जाट 8 दिन के पुलिस रिमांड पर है। इसके साथ ही चंडीगढ़ से पकड़े गए रोहित राठौड़, नितिन फौजी व उधम सिंह और गुरुग्राम की भोंडसी जेल से प्रोडक्श वारंट पर लाए गए भवानी उर्फ रोनी, राहुल और संदीप 7 दिन के पुलिस रिमांड पर है। इनके अलावा पुलिस ने जयपुर में लेडी डॉन पूजा सैनी को भी गिरफ्तार किया है। उस पर शूटर्स को हथियार और पनाह देने का आरोप है। पूजा का पति अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है।

सच बेधड़क एनालिसिस...

आलाकमान की पहली पसंद बने भजन, दीया और बैरवा

भजन क्यों बने, वजह- जो काम सौंपा, पूरी तन्मयता से तय वक्त पर किया पूरा

हरीश भामनिया | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री तथा दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा के उपमुख्यमंत्री पद के लिए आलाकमान की पहली पसंद बनने पर चर्चा गरम है। दरअसल, पहली ही बार विधायक का चुनाव जीतते ही मुख्यमंत्री बने भजनलाल शर्मा के नाम ने सबको चौंका दिया। युवावस्था में राममंदिर आंदोलन के दौरान इनकी सक्रियता ने इन्हें बड़े नेताओं की पसंद बनाया। चार बार प्रदेश महामंत्री बनाने के पीछे उनकी सक्रियता ही रही। आरएसएस और एबीवीपी में पदाधिकारी रहने के दौरान लोगों से सीधे जुड़ाव ने उन्हें स्थापित नेता साबित किया। संघ के बैकग्राउंड के कारण महामंत्री रहते भजनलाल के संगठन से अच्छे संबंध रहे और उनकी छवि साफ तथा कर्मठ कार्यकर्ता की रही।

दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री

अपने परिवार को कुश का वंशज बताने पर आई काफी चर्चा में

2013 में पीएम चेहरा बने मोदी से मुलाकात के बाद आईं सियासत में

जयपुर के पूर्व राजपरिवार की बेटी दीया कुमारी का राजनीति से जुड़ाव करीब 10 साल पुराना है। 10 सितंबर, 2013 को जयपुर में एक रैली के दौरान नरेंद्र मोदी (उस समय गुजरात के सीएम), राजनाथ सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके बाद उन्होंने सवाई माधोपुर से विधानसभा चुनाव में किरोड़ीलाल मीणा को शिकस्त दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या विवाद की सुनवाई के दौरान श्री राम के वंशजों के बारे में सवाल पूछा था। तब दीया कुमारी ने खुद को श्रीराम के बेटे कुश के वंशज होने का दावा किया था।

लगातार चुनाव जीत

साल 2013 में सवाई माधोपुर से विधायक बनीं। साल 2019 में इन्हें राजसमंद से लोकसभा चुनाव में उतारा जहां से जीतीं। अब 2023 में जयपुर के विद्याधर नगर सीट से जीत दर्ज की। लगातार तीन जीत के बाद आलाकमान के सामने चर्चा में आईं। इनकी राजनीतिक कुशलता के कारण ही इन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

प्रेमचंद बैरवा, उपमुख्यमंत्री

एक प्रभावशाली प्रतिद्वंद्वी पर जीत बनी टर्निंग पॉइंट

प्रदेश के नए उपमुख्यमंत्री घोषित किए गए प्रेम चंद बैरवा को पार्टी की राजस्थान इकाई के दलित चेहरे के रूप में देखा जाता है। इस विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के अपेक्षाकृत मजबूत उम्मीदवार बाबूलाल नागर को 35,743 वोटों के अंतर से हराया है। पूरे चुनावी कैंपेन में दूदू में लोगों के बीच केवल एक ही चर्चा थी और वो थी प्रभावशाली और एक सामान्य कार्यकर्ता के बीच चुनाव। बैरवा को कांग्रेस के नागर के सामने एक कमतर प्रत्याशी आंकना कांग्रेस के लिए बड़ी गलती रही। नागर ने अपनी सभाओं में निवर्तमान मुख्यमंत्री से लेकर बड़े नेताओं को बुलाया, वहीं प्रेमचंद खामोशी से लोगों से डोर टू डोर मिलते रहे। बहरहाल, अब प्रेमचंद बैरवा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश में एक बड़ा दलित चेहरा बन कर उभरे हैं। बैरवा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से पीएचडी डिग्री धारक हैं।

राउत के खिलाफ राजद्रोह का केस

'सामना' में मोदी पर आपत्तिजनक लेख

एजेंसी। यवतमाल (महाराष्ट्र)

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक लेख लिखने के आरोप में पार्टी के सांसद संजय राउत के खिलाफ राजद्रोह और अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भाजपा के यवतमाल जिला समन्वयक नितिन भुटाड़ा की ओर से राज्यसभा सदस्य राउत के खिलाफ की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। 'सामना' के कार्यकारी संपादक राउत ने पलटवार करते हुए भाजपा पर 'सेंसरशिप' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह कहने का कोई अधिकार नहीं है कि वह आपातकाल के खिलाफ खड़ी हुई थी क्योंकि लड़ाई इसी तरह की सेंसरशिप के खिलाफ थी। सामना में आलोचना राजनीतिक है। शिकायत में भुटाड़ा ने दावा किया कि राउत ने 10 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख लिखा था।

अधिकारी ने बताया कि सोमवार को यहां उमरखेड़ थाने में राउत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) (राजद्रोह), 153 (ए) (धर्म, जाति, जन्म स्थल, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 505 (2) (समुदायों के बीच शत्रुता, घृणा या द्वेष पैदा करने या बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आगरा में धार्मिक स्थलों पर लगे 550 लाउडस्पीकर जब्त

एजेंसी। आगरा (उप्र)

आगरा पुलिस ने शहरी क्षेत्र में अभियान चलाकर धार्मिक स्थलों पर लगे करीब 550 अवैध लाउडस्पीकर जब्त किए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अभियान के लिए तड़के 4:30 बजे पुलिसकर्मियों को थाने में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए थे।

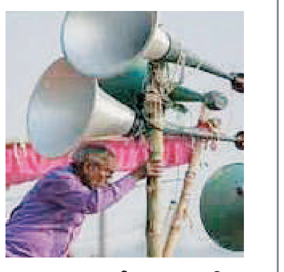

कमिश्नरेट क्षेत्र के नगर, पश्चिम और पूर्वी जोन में एक साथ अभियान चलाया गया। डीसीपी, नगर सूरज कुमार राय ने बताया कि अभियान के दौरान करीब 550 लाउडस्पीकर जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि पूर्व में कई स्थानों पर चेतावनी देकर ध्वनि मानक के अनुरूप रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन सुबह अभियान के समय कई स्थानों पर ध्वनि मानक से अधिक पाई गई।

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार

अब नए मुख्यमंत्री तय करेंगे 'घोटालेबाज' अफसरों का 'भविष्य'

- डीओआईटी में अनियमितताओं का मामला
- एसीबी ने दो माह पहले मांगी थी जांच की अनुमति
- सरकार बदलने पर कार्मिक विभाग को रिमाइंडर

बेधड़क। जयपुर

डीओआईटी में वीडियो वॉल टेंडर प्रक्रिया समेत अन्य टैंडरों में भारी अनियमितताएं सामने आने के मामले की जांच अब नए मुख्यमंत्री भजनलाल तय करेंगे।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डीओआईटी में अनियमितता के मामले में चेयरमैन अखिल अरोड़ा से पूछताछ करने और जांच करने के लिए दो माह पहले कार्मिक विभाग से अनुमति मांगी थी, लेकिन कार्मिक विभाग के अफसर प्रकरण को दबाकर बैठे हैं। सूत्रों ने बताया कि अब नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस मामले में तय करेंगे कि अरोड़ा से पूछताछ व उसके खिलाफ जांच की जाए या नहीं। इस मामले में कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत गैरा से बात की तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

दरअसल, साल 2017 में भ्रष्टाचार के कानून में संशोधन हुआ था। नए कानून के तहत के पद के दुरुपयोग और आय से अधिक संपत्ति के मामले में एसीबी को पहले संबंधित अधिकारी के खिलाफ उस विभाग के प्रमुख से अनुमति लेनी पड़ती है। ऐसे मामलों में एसीबी सीधे तौर पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। एसीबी केवल ट्रेप की कार्रवाई ही सीधे तौर पर कर सकती है। एसीबी ने पिछले चार साल में 55 अफसर-कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत पर मिलने पर जांच व एफआईआर दर्ज करने की अनुमति मांगी है, लेकिन सरकारी विभागों के प्रमुख ने केवल 10 फीसदी मामलों में ही जांच की अनुमति है।

जबकि आधे से ज्यादा मामलों में जांच की अनुमति नहीं दी। करीब 20 मामले में अनुमति नहीं मिलने के बाद विभागों के मुखिया के पास पेंडिंग पड़े हैं। सबसे ज्यादा मामले में यूडीएच, डीएलबी, मेडिकल, कार्मिक, गृह विभाग में पेंडिंग है।

छह से ज्यादा मामलों की होगी जांच

पड़ताल में सामने आया कि कैग ने प्रोजेक्ट को लेकर कई बार आपत्ति जताई थी, लेकिन सबकी इसमें मिलीभगत होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा 640 करोड़ रुपए के ई-मित्र प्लस मशीन प्रोजेक्ट, 150 करोड़ का मैन पावर हायरिंग प्रोजेक्ट, ई मित्र एटीएम, भामाशाह डिजिटल पेमेंट किट में भी राजकॉम्प पर गड़बड़ियों के आरोप शामिल हैं। योजना भवन में डीओआईटी का दफ्तर है। इस दफ्तर की अलमारी से एक किलो सोने के बिस्किट और 2 करोड़ 31 लाख 49 हजार 500 रुपए का कैश बरामद हुआ था।

फंसते दिख रहे हैं भ्रष्ट ऑफिसर

प्रदेश में बीजेपी की सरकार आ गई है। ऐसे में सरकार बदलने के साथ अरोड़ा फंसते हुए दिख रहे हैं। एसीबी को एक गोपनीय परिवाद मिला था। उसकी प्रारंभिक जांच के बाद एसीबी ने इस मामले में आईएएस अखिल अरोड़ा से पूछताछ व एफआईआर दर्ज करके जांच के लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन कार्मिक विभाग के अफसर एसीबी को जांच की अनुमति नहीं दे रहे है।

महुआ के बहाने बेनक़ाब हुए 'माननीय'

तनवीर जाफ़री
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारतीय संसद को वैसे तो लोकतंत्र का मंदिर भी कहा जाता है। हमारे देश के जनप्रतिनिधि इसी संसद भवन में बैठकर देश के भविष्य की योजनायें व इससे सम्बंधित क़ानून बनाते हैं। इसलिये यह कहने की ज़रुरत नहीं कि प्रत्येक सांसद को पूर्ण रूप से संसदीय व्यवस्था व सञ्चालन को समझने की क्षमता रखने वाला, संसदीय क़ायदे क़ानूनों का जानकार, गंभीर, ज़िम्मेदार, ईमानदार, अनुशासित तथा समाज के लिए आदर्श पेश करने वाला नेता होना चाहिए। परन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं। स्वतंत्रता से लेकर अब तक जहां हमारी संसद में अनेकानेक ऐसे सांसद हुए हैं जिन पर देश नाज़ करता है। वहीं दुर्भाग्यवश इसी संसद में अपराधी, भ्रष्ट, रिश्वतख़ोर, सवाल पूछने के बदले पैसे लेने वाले, संसद में हाथापाई, मारपीट तथा लात-घूसा चलाने वाले, ज़मीर फ़रोश, सिद्धांत विहीन, सत्ता लोलुप, दलबदलू यहां तक कि अशिक्षित सांसद भी 'शोभायमान' होते रहे। इसके अतिरिक्त यही माननीय कई बार सांसद की गरिमा के विरुद्ध आचरण करते भी देखे जा चुके हैं। उदाहरण के तौर पर मार्च 2000 में जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत के पांच दिवसीय दौरे पर आए थे, उस दौरान उन्होंने 22 मार्च को संसद के केंद्रीय कक्ष में संयुक्त भारतीय संसद को भी संबोधित किया था। खचाखच भरे इस केंद्रीय हाल में राष्ट्रपति क्लिंटन के संबोधन के बाद जिस तरह हमारे 'माननीयों' में क्लिंटन के साथ हाथ मिलाने व फ़ोटो खिंचाने की होड़ मची थी वह दृश्य भी अभूतपूर्व था। अनेक सांसद उस दिन कुर्सियां फांद कर एक दूसरे को पीछे छोड़ राष्ट्रपति क्लिंटन की तरफ़ जाते दिखाई दिए थे। यह उनसे हाथ मिलाने व उसके साथ फ़ोटो खिंचाने के लिए लालायित थे। इस दृश्य ने भी अनेक 'माननीयों' की मानसिकता व उनकी हक़ीक़त को उजागर किया था। आज भी उसी मानसिकता के अनेक सांसद समय-समय पर संसद में 'मोदी'- 'मोदी' का जाप करते सुनाई देते हैं। ऐसा 'नेता जाप' भारत के अतिरिक्त किसी अन्य देश की संसद में होते नहीं सुनाई देता।

> *सवाल यह है कि क्या सांसद गिरधारी यादव की बातों पर सुदीप बंदोपाध्याय की प्रतिक्रिया और उनकी प्रतिक्रिया सुन लोकसभा अध्यक्ष की ख़ामोशी भारतीय सांसदों की हक़ीक़त को उजागर नहीं करती? और यहीं से दूसरा सवाल महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों को लेकर भी खड़ा होता है कि जब सांसद गिरधारी यादव सदन में स्वीकार कर चुके कि न तो वे लोकसभा के अपने सवाल तैयार करते हैं ना ही उन्हें अपना लॉग इन पासवर्ड याद रहता है।*

पिछले दिनों भारतीय संसद में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। उन पर संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने तथा लोकसभा पोर्टल का अपना लॉग इन पासवर्ड, लोकसभा नियमों के विरुद्ध दूसरों से शेयर करने के आरोप हैं। हालांकि महुआ मोइत्रा के लोकसभा से निष्कासन को विपक्ष बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता रहा है, वहीं सरकार व उसके पक्षकारों का मत है कि महुआ के साथ जो कुछ हुआ है वह सब नियमों के तहत ही हुआ है। परन्तु महुआ प्रकरण पर गत 8 दिसंबर को लोकसभा में चली चर्चा के दौरान जब महुआ के समर्थन में बांका (बिहार) के जनता दल यूनाइटेड सांसद गिरधारी यादव खड़े हुए तो उनके मुंह से कुछ ऐसे वाक्य निकले, जिन्होंने न केवल लोकसभा अध्यक्ष बल्कि पूरी संसद को स्तब्ध कर दिया। चूंकि गिरधारी यादव अपने क्षेत्र से चार बार विधायक और तीन बार लोकसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हो चुके हैं। इसलिए जनता के बीच उनकी लोकप्रियता से इंकार क़तई नहीं किया जा सकता। गिरधारी यादव ने साफ़-साफ़ कहा कि न तो उन्हें लोकसभा पोर्टल लॉगिन करना आता है, न ही उन्हें अपना पासवर्ड याद रहता है और ना ही वे लोकसभा में अपने सवाल खुद तैयार करते हैं, बल्कि उनका यह सारा गोपनीय काम उनके पीए करते हैं।

निश्चित रूप से सांसद गिरधारी यादव द्वारा संसद में ऑन रिकार्ड की गई यह स्वीकारोक्ति ग़ैरक़ानूनी व संसदीय नियमों के विरुद्ध थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सांसद गिरधारी यादव के इस बयान पर घोर आपत्ति भी दर्ज की और उन्हें सचेत भी किया कि सदन में ऑन रिकार्ड दिए गए आपके इस विवादित बयान को लेकर आपके विरुद्ध कार्रवाई भी हो सकती है। परन्तु गिरधारी यादव ने बिना छुपाए अपनी जो हक़ीक़त थी वह बयान कर डाली। साथ ही यह भी कहा कि अब उनकी यह उम्र कम्प्यूटर आदि सीखने की नहीं है और उन्हें यह सब नहीं आता। जब लोकसभा अध्यक्ष सांसद गिरधारी यादव की बातों से असहज हुए तो उन्होंने इस गंभीर विषय पर संसद की नब्ज़ भी टटोलनी चाही। उन्होंने उसी समय वरिष्ठ तृणमूल सांसद सुदीप बंदोपाध्याय से पूछा कि क्या आप इनकी (सांसद गिरधारी यादव) बातों से सहमत हैं। इस पर उस वरिष्ठ सांसद ने सदन में जो बात कही वह भारतीय संसद की हक़ीक़त को उजागर करने के लिए काफ़ी है। बंदोपाध्याय ने कहा कि आप दस-दस सांसदों के ग्रुप को अपने कार्यालय में बुलाकर स्वयं देख लें कि कितने सांसदों को लॉगिन करना और कंप्यूटर संचालन आता है। यह सुनते ही लोकसभा अध्यक्ष जो सांसद गिरधारी यादव को उनके विवादित बयान के लिए कार्रवाई की धमकी देते सुनाई दिए, वही स्पीकर, सुदीप बंदोपाध्याय की बात सुनकर ठंडे पड़ते देखे गए।

अदानी के बढ़ते साम्राज्य पर संसद के भीतर व बाहर मुखरित होकर बोलने वाली सांसद महुआ मोइत्रा को बहुमत के ज़ोर पर संसद की सदस्यता से निष्कासित तो ज़रूर कर दिया गया है। परन्तु इस चर्चा के दौरान महुआ के बहाने माननीयों की हक़ीक़त से भी पर्दा उठ गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

दलों की त्वरित लाभ की दृष्टि से जातीय समूह पर निर्भरता

जातिगत राजनीति देश की प्रगति में बाधक

राजेंद्र बज
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *अलग-अलग जातीय समूह को दल विशेष का समर्थक या विरोधी माना जाना, अनावश्यक रूप से अलगाव को जन्म देता है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की प्रबलता का यह आलम है कि कुछ राजनीतिक दल तो जाति विशेष की ही राजनीति को राजनीतिक सक्रियता का पर्याय मानते हैं। कभी-कभी ऐसा प्रतीत होता है कि जातीय हितों का संरक्षण करने के निमित्त अलग-अलग जाति समूह ने अलग-अलग राजनीतिक दल खोल दिए हैं।*

विभिन्न राजनीतिक दल अलग-अलग जातीय समूह को साधने के लिए प्रयासरत रहा करते हैं। लोकतंत्र में अपने दल की रीति-नीति के प्रति जनसमूह का विश्वास प्राप्त करना, एक प्रकार से सहज स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन राजनीतिक दलों के ऐसे प्रयास अलग-अलग समाज में जातीय ध्रुवीकरण की स्थिति निर्मित कर रहे हैं। हालांकि व्यावहारिक तौर पर ऐसा बहुत कम संभव हो पाता है कि कोई भी जाति या कोई भी समूह पूर्णरूपेण किसी एक राजनीतिक दल पर निर्भर रह सके। बावजूद इसके लोकतंत्र की स्वाभाविक अवधारणा के अनुरूप अलग-अलग जातियों को अलग अलग राजनीतिक दल के समर्थक के रूप में ही देखा जा रहा है।

यह स्थिति प्रकारांतर से अनेकता में एकता के ताने-बाने को ध्वस्त करती दिखाई देती है। लोकतंत्र के संख्याओं के खेल में अलग-अलग जातियों को अलग-अलग दल के समर्थक के रूप में देखा जाना, तथाकथित एकता की अनेकता को रेखांकित करता है। राजनीतिक दृष्टि से सामाजिक ध्रुवीकरण लोकतंत्र की सेहत के लिए अंततः हानिकारक ही सिद्ध होता है। विभिन्न राजनीतिक नेतृत्व त्वरित लाभ की दृष्टि से जातीय समूह पर निर्भरता को दलीय हित में पाते हैं। किंतु इनका ऐसा नजरिया कालांतर में सकल समाज में नकारात्मक संदेश का कारक सिद्ध होता है। ऐसे में विभिन्न समाजों का संतुलित विकास हो पाना संभव नहीं होता।

कभी-कभी तो राजनीतिक संरक्षण के चलते समाज विशेष की मनमानी के उदाहरण भी देखने को मिलते हैं। चुनावी दौर में जब राजनीतिक सक्रियता चरम पर होती है, एकमुश्त मतों को पाने की दृष्टि से अलग-अलग जाति की कुत्सित परंपराओं को भी राजनीतिक दल समर्थन देने से बाज नहीं आते। ऐसे में जाति समूह का अंधविश्वास और पाखंड राजनीतिक स्वीकृति पा जाता है। स्वस्थ समाज की संरचना में यह स्थिति बाधक सिद्ध होती है। निरंतर परिवर्तित दौर में शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ अब आधुनिक विचारधाराएं कुलांचे भरने लगी है। इसके बावजूद अलग-अलग समाज की परंपरागत अवधारणाएं बिना तर्क की कसौटी पर कसे राजनीतिक दलों के वरदहस्त के चलते मान्यता प्राप्त कर रही है। परंपराओं के नाम पर कभी-कभी कानूनी प्रक्रियाएं भी ताक पर रख दी जाती है।

इन हालातों के चलते विभिन्न समाजों का परंपरावादी सोच राजनीतिक संरक्षण के चलते विस्तार पा रहा है। ऐसे में न तो समाज में स्वस्थ वातावरण बन पाता है और न ही नागरिकों द्वारा सोच-समझकर मतदान करने की प्रक्रिया को बल मिलता है। अलग-अलग जातीय समूह को दल विशेष का समर्थक या विरोधी माना जाना, अनावश्यक रूप से अलगाव को जन्म देता है। लेकिन राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की प्रबलता का यह आलम है कि कुछ राजनीतिक दल तो जाति विशेष की ही राजनीति को राजनीतिक सक्रियता का पर्याय मानते हैं। कभी-कभी ऐसा प्रतीत होता है कि जातीय हितों का संरक्षण करने के निमित्त अलग-अलग जाति समूह ने अलग-अलग राजनीतिक दल खोल दिए हैं।

इससे ऐसा आभास होता है कि इनकी राजनीति का नीति और सिद्धांतों से कोई सरोकार नहीं है। इन दलों का सिर्फ और सिर्फ एकमात्र यही उद्देश्य है कि जाति विशेष के बलबूते पर अपनी राजनीतिक सक्रियता रखते हुए परंपरागत वोट को साध कर रखा जाए। ऐसी स्थिति में कभी-कभी राजनीतिक सौदेबाजी भी की जाती रही है।

आज भी छोटे बड़े चुनाव में लगभग हर एक प्रत्याशी भी जातीय समूह के थोक बंद वोट पाने की गरज से अपनी रीति-नीति को लचीला बनाते हैं। कुछ परंपरागत सीट से लड़ने वाले अपने जातीय समूह के बहुमत के आधार पर चुनाव में बहुमत पाते रहे हैं। जाहिर है कि ऐसे में इनके एजेंडे में अपने समर्थक जातीय समूह के हित के आगे अन्य हित सदैव गौण ही रहा करते हैं। यही नहीं अपितु हर छोटे-बड़े चुनाव में जातिगत समीकरण के आधार पर टिकट वितरण किया जाता है। ऐसे में यह मान लिया जाता है कि जाति विशेष के प्रत्याशी को जाति विशेष के मतदाता समर्थन देंगे ही देंगे। निश्चित रूप से ऐसा समर्थन विवेक शून्य ही हुआ करता है। ऐसी स्थिति में क्षेत्र विशेष में शेष जातियां एक प्रकार से अल्पसंख्यक सिद्ध होती चली जाती है। निश्चित रूप से जब समाजों के समूह में जाति विशेष का राजनीतिक दबदबा होगा, तब मनमानी के दौर को थामना भी आसान नहीं होगा। सत्ता के संचालन में बहुमत को स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन विभिन्न समाजों की परस्पर गतिविधियों को सत्ता से संचालित किया जाना उचित नहीं है। राजनीतिक दलों के जातीय दृष्टिकोण के चलते विभिन्न समाजों के परस्पर तालमेल को बनाए रखना आसान नहीं है। निश्चित ही जब अलग-अलग समाज अलग-अलग राजनीतिक हैसियत रखेगा, 19/20 वाला अंतर तो आएगा ही आएगा। ऐसे में कोई समाज अपनी मनमानी करने के लिए भी स्वतंत्र रहेगा और कोई समाज अपने अधिकारों की लड़ाई को भी प्रभावशाली तरीके से नहीं लड़ सकेगा। यह जो एक प्रकार से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी, अनावश्यक रूप से सामाजिक कटुता का कारण बनेगी। ऐसी स्थिति से बचने के लिए यह नितांत आवश्यक हो जाता है कि प्रत्येक नागरिक चाहे वह किसी भी जाति समूह से ताल्लुक रखता हो, अपने मताधिकार के महत्व को पहचाने।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

रजाई कथा

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

हम में जिंदा रहना हैं, इसलिए खाना जरूरी है। जो खाता है - उसी का पेट भराया करता है। इस संसार में बिना खाए-पिए भला किसी का काम चला है, जो हमारा-आपका चल सकेगा? खाने के लिए किए गए प्रयास चाहे नीति-नियमों के विरुद्ध हो, लेकिन सामान्य व्यवहार में जीने के अधिकार के तहत हर क्रिया जायज होती है। वैसे भी चौरासी लाख योनियों में परिभ्रमण के पश्चात हमें इस देवदुर्लभ मानव भव की प्राप्ति हुई है, ऐसे में इसकी रक्षा करना भी जरूरी है। सीधे-सीधे न मिले तो आड़े-तिरछे तरीके से ही सही, लेकिन जीने के लिए खाना-खिलाना एक सहज मानवीय प्रक्रिया है।

वैसे भी सरकारी स्तर पर 'सौजन्य से सभी खुश रहते हैं', यह स्लोगन तो हम बचपन से देखते आए हैं। वैसे भी जब लेने-देने वाले राजी होते हैं तो इसमें आपत्ति कैसी? निर्धारित मात्रा में जिसे जो मिलता है, वह उससे कदापि संतुष्ट नहीं रहता। यही कारण है कि दुनिया में भ्रष्टाचार का उदय हुआ। यह भ्रष्टाचार की लाइलाज बीमारी किसी एक के नहीं बल्कि हर एक के मूल चरित्र में समाहित हो गई है।

हालांकि इसके अपवाद हो सकते हैं, लेकिन यह भी ध्रुव सत्य है कि अपवाद कभी नियम नहीं होते। आखेट युग से लेकर वर्तमान युग तक सामाजिक जनजीवन में भ्रष्टाचार समाया हुआ है। जो भ्रष्टाचार का भुक्तभोगी होता है, वह यह मानकर चलता है कि यह एक सिस्टम है और इस सिस्टम को बदलना आसान नहीं है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि 'देना पड़ता है, इसलिए लेना पड़ता है।' यूं भी आज के दौर में चंचला लक्ष्मी एक जगह आखिर कहां ठहरा करती है? कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि कोई बिना खाए यदि किसी का काम कर दे, तो उसके 'महापुरुष' होने का बोध हुआ करता है। जहां तक राजनीति की बात है, तो हम देख ही रहे हैं कि नीति और सिद्धांतों की जुगाली करते-करते कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना लगाया जाता है। देखते ही देखते पैरों की टूटी चप्पल भी ब्रांडेड शूज में तब्दील हो जाया करती है। अनुमान लगाया जा सकता है कि फिर उसकी आर्थिक स्थिति कहां से कहां पहुंच गई होगी? वैसे तो भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए शासन-प्रशासन द्वारा अलग-अलग समय में अलग-अलग कानून बनाए गए हैं, लेकिन जो ले-देकर काम करने और कराने में विश्वास रखता है, इसी आधार पर उसे 'प्रैक्टिकल' समझ लिया जाता है।

ऐसे लोगों की प्रैक्टिस भी बहुत खूब चला करती है! बरसों पहले एक गाना लोकप्रिय हुआ था कि 'ये समझो और समझाओ, थोड़ी में मौज मनाओ - दाल रोटी खाओ और प्रभु के गुण गाओ'। लेकिन आज के दौर में इन पंक्तियों का संशोधित संक्षिप्त स्वरूप इस तरह हो सकता है कि 'खाओ और खाने दो', इस पर यदि कोई संदेह करता है तो उसे अर्द्ध विक्षिप्त मान लिया जाना चाहिए। कुल मिलाकर मुद्दे की बात यह है कि जीवन को यदि तरीके के साथ जीना है तो खाते और खिलाते रहना चाहिए। वैसे भी जो मजा मिल-बांटकर खाने में हैं, वह भला अकेले भक्षण में कहां है? दुनिया वालों की दुनिया वाले जानें, अपना तो मानना यह है कि लेन-देन रूपी भ्रष्टाचार को 'नए दौर के नए दस्तूर' के रूप में परिभाषित कर दिया जाना चाहिए। जाहिर है कि इससे भ्रष्टाचार का नामोनिशान ही मिट जाएगा।

नॉलेज कॉर्नर: अवचेतन और चेतन मन के बीच का पुल होते हैं स्वप्न

क्यों आते हैं सपने, क्या कहता है विज्ञान!

क्या आपने कभी सोचा है कि हम रात में सपने क्यों देखते हैं? ये सवाल ऐसा है कि अगर किसी से पूछा जाए तो बहुत कम लोग ही इसका जवाब दे पाएंगे। हममें से ऐसा ही कोई होगा, जिसने रात को सपने नहीं देखा होगा लेकिन सवाल ये है कि ये सपने आते क्यों हैं? क्या इसके पीछे कोई विज्ञान है। जब भी हम रात को सोते हैं और सुबह उठते हैं तो हमें याद आता है कि हमने रात को सपना देखा था। सपने में ये देखा, वो देखा, ऐसे कई सवाल होते हैं। कई बार ऐसे सपने आते हैं, जो हमने दिन में किया होता है और सपने दोबारा दोहराए जाते हैं। तो चलिए जानते हैं कि नींद में सपने आने के पीछे क्या विज्ञान है? जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

रात के दूसरे पहर में

विज्ञान और मनोविज्ञान के अनुसार सपनों के कई मीनिंग होते हैं लेकिन इनका मतलब जानने से पहले ये जानना जरूरी है कि सपने होते क्या हैं? द ओरेकल ऑफ नाइट: द हिस्ट्री ऑफ साइंस ऑफ ड्रीम्स के लेखक, न्यूरोसाइंटिस्ट सिद्धार्थ रिबेइरो बताते हैं कि हर कोई सपने देखता है। चाहे इंसान को याद हो या न हो। इस संबंध में रिबेइरो का कहना है कि रैपिड आई मूवमेंट यानी नींद में लोगों को दौरे पड़ते हैं, यह अवस्था रात के दूसरे पहर में आती है। इस दौरान कई सपने देखे जाते हैं।

एक ही शख्स आता है बार-बार?

अगर आपके सपने में कोई बार-बार आ रहा है तो इसके पीछे का कारण यह है कि आप उस व्यक्ति के बारे में ज्यादा सोचते हैं। ऐसा तब होता है जब आप किसी से प्यार करते हैं या उसे आपका इमोश्नल अटैचमेंट तो वह बात आपके दिमाग में बैठ जाती है और हर वक्त आपके दिमाग में वही शख्स चलता रहता है जो रात को सपने में भी आता है क्योंकि वही शख्स आपके दिमाग में होता है। हालांकि इसके और भी कारण हो सकते हैं।

डेढ़ घंटे में 5 सपने

सपने अचेतन और चेतन मन के बीच एक पुल की तरह काम करते हैं। उनके शोध के अनुसार, डेढ़ घंटे की नींद में लगभग 5 सपने आते हैं। सपने हमारे अचेतन मन की इच्छाओं और डर से प्रभावित होते हैं। आसान भाषा में समझे तो रात के सोते समय भी इंसान का दिमाग एक्टिव रहता है, जिसके कारण सपने आते हैं। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
आपके विचार और भावनाएं आपको अभी पूरी तरह से व्यस्त रख सकती हैं, लेकिन वे जीवन की छोटी-छोटी शाखाएं हैं - स्वयं जीवन नहीं।

जया किशोरी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@iamjayakishori
सफलता प्राप्त करना बड़ी बात नहीं है, पर सफलता को सम्भाले रखना बड़ी बात है।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
उन्हें टैग करें जिनकी जिंदगी में मौजूदगी आपके लिए दुनिया से ज्यादा मायने रखती है। यदि वे सोशल मीडिया पर नहीं हैं, तो कृपया अपना फोन उठाएं और उन्हें कॉल/मैसेज करें और उन्हें बताएं कि वे आपके जीवन की यात्रा में कितने खास हैं।

जरूरी खबर

जयपुर एयरपोर्ट पर गड़बड़ाया फ्लाइटों का संचालन समय

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर इन दिनों फ्लाइट का संचालन समय गड़बड़ा रहा है। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। मंगलवार को भी कुछ फ्लाइट देरी से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार स्पाइसजेट की सुबह 6:55 बजे वाराणसी की फ्लाइट सुबह 9 बजे, स्पाइसजेट की सुबह 9:25 बजे दुबई की फ्लाइट सुबह 10:15 बजे, स्पाइसजेट की सुबह 11:45 बजे सूरत की फ्लाइट दोपहर 2:05 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दोपहर 12:25 दिल्ली जाने वाली फ्लाइट 2:10 बजे, स्पाइसजेट की जयपुर से दोपहर 1:30 बजे गुवाहाटी जाने वाली फ्लाइट शाम 4:30 बजे, स्पाइसजेट की जयपुर से रात 9:25 बजे दिल्ली जाने वाली फ्लाइट रात 11:30 बजे रवाना होगी। देरी से यात्रियों को परेशानी होगी।

बिना अधिकार डिग्री बांटने पर हाई कोर्ट तल्ख

जयपुर। प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मनमर्जी से कोर्स में प्रवेश देकर डिग्री बांटने को लेकर राजस्थान हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। राजस्थान हाई कोर्ट ने मंगलवार को झुंझुनूं की सिंघानिया यूनिवर्सिटी की ओर से दी जाने वाली बीपीएड की डिग्री को लेकर राज्य सरकार और विश्वविद्यालय से जवाब मांगा है। कोर्ट ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार से शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि क्या सिंघानिया विश्वविद्यालय अधिनियम विवि को विद्यार्थियों को बीपीएड की डिग्री देने की अनुमति देता है? यदि विश्वविद्यालय के अधिनियम के तहत विवि को यह डिग्री देने का अधिकार नहीं है, तो विवि प्रशासन किस आधार पर यह डिग्री दे रहा है। ऐसा होने पर क्यों ना उससे छात्रों के लिए मुआवजा वसूला जाए। वहीं, मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

सच बेधड़क न्यूज चैनल के शो 'विजन विद विनायक' में बोले विनायक शर्मा...

भाजपा में नेता का कद नहीं, क्वालिटी अहम

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में जमीन से जुड़े नेता भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना और बड़े नेताओं की संभावित बगावत या विवाद को पैदा ही न होने देना भाजपा आलाकमान की बड़ी सफलता है। राजस्थान के साथ ही मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में लो प्रोफाइल संघ पृष्ठभूमि के नेताओं को कमान देने का भाजपा का यह एक्सपेरिमेंट राजनीति में फ्रेश ऑक्सीजन जैसा है, जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिलेगा।

सच बेधड़क मीडिया समूह के फाउंडर और एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने मंगलवार शाम सच बेधड़क न्यूज चैनल के शो 'विजन विद विनायक' में प्रदेश व देश के राजनीतिक हालातों का विश्लेषण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश को भजनलाल शर्मा के रूप में नया मुख्यमंत्री देने को लेकर भाजपा की रणनीति, जातिगत समीकरण, अन्य दावेदार नेताओं के भविष्य, प्रदेश में गवर्नेंस के संभावित स्वरूप से लेकर देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों तक पर अपना आकलन साझा किया।

सच बेधड़क न्यूज चैनल के मैनेजिंग एडिटर सुधांशु माथुर, वरिष्ठ संवाददाता लालसिंह फौजदार व न्यूमरोलॉजिस्ट कैलाश सुथार के साथ ही न्यूज एंकर मेघा कौशिक, सोनल मुद्गल व रिचा सिंह के सवालों का जवाब देते हुए विनायक शर्मा ने प्रदेश की राजनीति के कई पहलुओं को स्पष्ट किया।

इसलिए दरकिनार हुईं वसुंधरा राजे

एक सवाल के जवाब में विनायक शर्मा का कहना था कि वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद को लेकर इसलिए दरकिनार हुई, क्योंकि शीर्ष नेतृत्व उनके साथ काम करने को लेकर कंफर्टेबल नहीं था। वसुंधरा के पिछले कार्यकाल में प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति के मामले में सामने आया विवाद हो या इस बार के परिणाम के बाद वसुंधरा की ओर से किए जा रहे लॉबिंग के प्रयास, ये आलाकमान के गले नहीं उतर रहे थे। वसुंधरा के पद पर होते आलाकमान को यहां फ्री हैंड नहीं मिल पाता जो कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जरूरी है। हालांकि, वसुंधरा के कद को देखते हुए उन्हें केंद्र की राजनीति में या कहीं राज्यपाल के रूप में मौका दिया जा सकता है। तीनों प्रदेशों में संघ पृष्ठभूमि के नेताओं को मुख्यमंत्री बनाकर मोदी-शाह ने आगामी लोकसभा के लिए संघ को जिम्मेदारी दी है। साथ ही एक बड़ा संदेश दिया है कि भाजपा में नेता का कद नहीं, क्वालिटी अहम है। जो जमीन से जुड़े नेता होंगे उन्हें आगे लाया जाएगा।

अनुभव मुद्दा नहीं, दिल्ली करेगी कंट्रोल

पहली बार विधायक बने नेता को मुख्यमंत्री बनाने के सवाल पर विनायक शर्मा का कहना था कि राजाओं का राजतिलक भी पहली बार ही होता था। भजनलाल की बात करें तो वे 34 साल से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं और धरातल पर काम करके कितने ही मुख्यमंत्री बनाए हैं। हां, भजनलाल गृहमंत्री अमित शाह के करीबी हैं, ऐसे में संभावना है कि अमित शाह के निर्देशन में ब्यूरोक्रेट्स की लॉबी बनाई जाएगी और मुख्यमंत्री को प्रशासनिक रूप से मजबूत बनाया जाएगा। साथ ही अनुभव व युवाओं का बैलेंस मंत्रीमंडल में देखने को मिलेगा।

अभी और सरप्राइज बाकी...

मुख्यमंत्री की तरह मंत्रिमंडल के चेहरे भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। हो सकता है जो सांसद का पद छोड़कर आए हैं वे केवल विधायक बन कर रह जाएं। अभी भाजपा आलाकमान का पूरा फोकस लोकसभा चुनाव पर रहने वाला है तो इसी को ध्यान में रखते हुए अनुभवी और युवा नेताओं को काम मे लिया जाएगा। विधायक बनने से चूके नेताओं को भी विधानसभा में लाया जा सकता है या उन्हें केंद्रीय राजनीति में भेजा सकता है। कुल मिलाकर भाजपा की वर्तमान राजनीति में कुछ भी प्रेडिक्टेबल नहीं है और आलाकमान के लिए आज की स्थिति में किसी बड़े नेता की पसंद-नापसंद मायने नहीं रखती। ऐसे में पार्टी के हित को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए जाएंगे। कुछ बड़ी संभावनाओं की बात करें तो बाबा बालकनाथ को गृहमंत्री बनाया जा सकता है। वैसे भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान ट्रेंड को देखते हुए मंत्री बनने के लिए कोई भी फिक्स क्राइटेरिया तय नहीं किया जा सकता है, क्योंकि भाजपा आलाकमान चौंकाने में माहिर है।

अपने कोर वोटर को दी अहमियत

राजस्थान में तीनों शीर्ष पदों पर जाट या गुर्जर में से किसी को मौका नहीं मिला, इसकी वजह रही कि ये दोनों जातियां भाजपा की कोर वोटर नहीं हैं। ये जातियां पार्टी के बजाय नेता को महत्व देती हैं। इसी के चलते भाजपा ने पहले अपने कोर वोटर ब्राह्मण और राजपूत को प्रसाद दिया है और एससी का उपमुख्यमंत्री बनाकर इस समुदाय को साधने की कोशिश की है। राजस्थान के साथ ही मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में लंबे समय से सत्ता से दूर जातियों को मुख्यधारा में लाने की कोशिश की गई है, चाहे छत्तीसगढ़ में पहली बार आदिवासी को सीएम बनाना हो, एमपी में पहली बार यादव को सत्ता सौंपनी हो या राजस्थान में साढ़े तीन दशक बाद ब्राह्मण के हाथ में कमान देनी हो। हालांकि, अन्य जातियों को मंत्रीमंडल में एडजस्ट किए जाने की संभावना है।

एसकेआईटी मैनेजमेंट एवं ग्रामोत्थान में वर्कशॉप

इंजीनियरिंग प्रॉब्लम्स का गणित के उपयोग से बताया सॉल्यूशन

बेधड़क | जयपुर

स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एवं ग्रामोत्थान के गणित विभाग की ओर से 'एप्लीकेशंस ऑफ इंजीनियरिंग मैथमेटिक्स' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विभिन्न इंजीनियरिंग प्रॉब्लम्स में गणित के उपयोग पर जागरूक करना व इसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालना है। वर्कशॉप के पहले दिन राजस्थान विश्वविद्यालय से डॉ. शालिनी जैन ने फुरियर एनालिसिस और इसके उपयोगों पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन के वक्ता एलएनएमआईआईटी के डॉ. विकास गुप्ता ने छात्रों को डिफरेंशियल कैलकुलस एवं इसके विभिन्न एप्लीकेशंस की जानकारी दी। एलएनएमआईआईटी से डॉ. प्रतिभा गर्ग ने तीसरे दिन के लेक्चर में इंटीग्रल कैलकुलस के उपयोगों के कई नए और सरल एप्लकेशंस की तकनीक बताई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नवल किशोर जांगिड़ व चंद्रप्रकाश जैन थे। सुरभि शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

यार्ड रिमॉडलिंग व अनुरक्षण कार्य के चलते रेल यातायात होगा प्रभावित

कुछ ट्रेनें कल से होंगी रद्द, कुछ का बदलेगा रूट

बेधड़क | जयपुर

यार्ड रिमॉडलिंग सहित अन्य रेल कार्य किए जाने के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इस दौरान राजस्थान से मुजफ्फरपुर-किशनगंज-कामाख्या जाने वाली ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया गया। ये ट्रेनें गुरुवार से अलग-अलग दिन रद्द रहेंगी। इसके साथ ही कुछ ट्रेनों को रूट बदलकर चलाया जाएगा। वहीं, रेलवे 5 गाड़ियों को अगले साल अप्रैल से अछनेरा स्टेशन से नए रूट से होकर चलाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार लखनऊ मंडल के बाराबंकी-अयोध्या कैंट-शाहगंज- जफराबाद रेलखंड पर यार्ड रिमॉडलिंग काम के कारण नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इस कारण 15269 मुजफ्फरपुर-साबरमती एक्सप्रेस 14, 21, 28 दिसंबर और 4, 11 जनवरी को नहीं चलेगी। 15270, साबरमती-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 16, 23, 30 दिसंबर और 6, 13 जनवरी को रद्द रहेगी। इस ट्रेन के नहीं चलने से जयपुर, भरतपुर, अजमेर, आबू रोड रूट पर जाने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। गाड़ी संख्या 19615 उदयपुर-कामाख्या एक्सप्रेस को 18, 25 दिसंबर और 1 व 8 जनवरी को, जबकि गाड़ी संख्या 19616 कामाख्या- उदयपुर को 14, 21, 28 दिसंबर और 4, 11 जनवरी को रद्द रखा जाएगा। गाड़ी संख्या 15715 किशनगंज-अजमेर 2, 5, 7, 9, 12 और 14 जनवरी, जबकि गाड़ी संख्या 15716 अजमेर- किशनगंज एक्सप्रेस 4, 8, 9, 11, 15 और 16 जनवरी को रद्द रहेगी।

अब अनुरक्षण कार्य 14 को

अजमेर मण्डल के मदार-पालनपुर रेलखण्ड पर जेठी-चित्रासणी स्टेशनों के बीच ब्रिज संख्या 845 पर अनुरक्षण कार्य के लिए ब्लॉक लिया गया था, अब यह कार्य 15 दिसंबर के स्थान पर 14 दिसंबर को ही किया जाएगा। इस कारण गाड़ी संख्या 14821/14822, जोधपुर-साबरमती रेलसेवा 14 व 15 दिसंबर को रद्द रहेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 14701, श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा 13 दिसंबर को जेठी स्टेशन पर 23 मिनट रेगुलेट रहेगी।

इन ट्रेनों का बदला गया रूट

गाड़ी संख्या 15623/15624, भगत की कोठी-कामाख्या ट्रेनों को 125 दिसंबर से 12 जनवरी तक परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी - माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ- लखनऊ होकर चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 15909/15910 लालगढ़-डिब्रुगढ-लालगढ़ को 14 जनवरी तक परिवर्तित मार्ग वाया बुढवल-सीतापुर सिटी-शाहजहांपुर होकर चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 19269/19270 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर-पोरबंदर को 14 दिसंबर से 14 जनवरी तक परिवर्तित मार्ग वाया बुढवल-सीतापुर सिटी-शाहजहांपुर होकर संचालित किया जाएगा। गाड़ी संख्या 19409/19410 अहमदाबाद-गोरखपुर-अहमदाबाद को 14 दिसंबर से 15 जनवरी तक परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-बनारस-वाराणसी सिटी-भटनी-गोरखपुर होकर संचालित किया जाएगा।

विशेष सफाई अभियान शुरू, ग्रेटर महापौर ने दी चेतावनी

सड़क पर कचरा डालोगे... गंदगी करोगे तो हटवा दूंगी थड़ी ठेले

- महापौर मुनेश गुर्जर और विधायक बाल मुकुंदाचार्य ने गोविंददेवजी मंदिर में झाड़ू लगाकर किया अभियान का शुभारंभ
- 15 दिन चलने वाले अभियान में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में जनभागिता से की जाएगी सफाई, जनप्रतिनिधि और अधिकारी होंगे शामिल

बेधड़क | जयपुर

'आप लोग ही गंदगी रखोगे तो शहर कैसे साफ रहेगा। ऐसे सड़क पर कचरा डालोगे, गंदगी करोगे तो थड़ी ठेलों को हटवा दूंगी।' यह चेतावनी ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर ने मंगलवार से शुरू हुए विशेष सफाई अभियान के दौरान एसएमएस अस्पताल के बाहर थड़ी-ठेलों के पास गंदगी देखकर दी। स्वायत्त शासन संस्था के 15 दिन चलने वाले इस अभियान में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में जनभागिता से सफाई की जाएगी। इसमें सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी शामिल होंगे।

ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर ने अफसरों के साथ एसएमएस अस्पताल के बाहर झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की, वहीं हेरिटेज निगम महापौर मुनेश गुर्जर और नवनियुक्त विधायक बाल मुकुंदाचार्य ने गोविंददेवजी मंदिर के बाहर झाड़ू लगाकर अभियान का आगाज किया। वहीं, सड़कों पर जगह-जगह कचरा गंदगी देख अफसरों को फटकार भी लगाई। कचरा गंदगी देख विधायक बालमुकुंदाचार्य ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि 'यह नरक निगम है'।

स्वास्थ्य और जोन उपायुक्तों ने भी लगाई झाड़ू

जनसहभागिता से स्वच्छता अभियान (स्वच्छता पखवाड़ा) के तहत स्वास्थ्य उपायुक्त नवीन भारद्वाज सहित अन्य जोन उपायुक्तों ने भी झाड़ू लगाई। महापौर ने सफाई कर्मचारियों से संवाद कर पूरी टोंक रोड पर सफाई करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान शहर को साफ-स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प भी करवाया। इस दौरान दुकानदारों के साथ थड़ी-ठेले वालों को सड़क पर कचरा नहीं फैलाने और दुकानों पर डस्टबिन रखने के निर्देश दिए। अस्पताल के बाहर थड़ी ठेलों के पास गंदगी देख वे नाराज भी हुई और कहा कि अगर आप लोग ही गंदगी रखोगे तो शहर कैसे साफ रहेगा। ऐसे सड़क पर गंदगी करोगे तो वे थड़ी ठेलों को हटवा देंगी। मेयर ने कहा कि तीन दिन से इस अभियान को लेकर तैयारी की गई, मंगलवार से अभियान शुरू हो रहा है। स्वच्छता हम सब की जिम्मेदारी है, इसमें सभी को भागीदारी निभानी चाहिए।

गंदगी दिखी तो अफसरों को लगाई फटकार

हेरिटेज नगर निगम में गोविंददेवजी मंदिर से अभियान की शुरुआत हुई। यहां नव नियुक्त विधायक बालमुकुंदाचार्य के साथ मेयर मुनेश गुर्जर और निगम आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान गोविंददेवजी मंदिर के बाहर और सब्जी मंडी के आसपास झाड़ू लगाई गई। इस दौरान जनता मार्केट सब्जी मंडी में जगह-जगह कचरा गंदगी मिलने पर विधायक और महापौर ने अफसरों व कार्मिकों को फटकार लगाई। कारण पूछने पर अफसरों से जबाव देते नहीं बना। मेयर ने अफसरों को सफाई व्यवस्था में कोताई नहीं बरतने के निर्देश दिए। इस दौरान दुकानदारों से भी समझाइश की गई।

जरूरी खबर

एमपी व छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री आज लेंगे शपथ

भोपाल/रायपुर। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के मनोनीत मुख्यमंत्री बुधवार को अपने अपने राज्य की राजधानी में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम की विस्तृत व्यवस्थाएं की जा रही हैं। दोनों राज्यों की राजधानियों में प्रस्तावित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सहित अन्य वरिष्ठ नेतओं के शामिल होने की संभावना है।

खुदरा मुद्रास्फीति 3 माह के उच्चस्तर 5.5 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति में एक बार फिर तेजी आई है। सब्जी, अनाज समेत खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर तीन महीने के उच्चस्तर 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में 4.87 प्रतिशत और पिछले साल यानी 2022 के इसी महीने में 5.88 प्रतिशत के स्तर पर थी। महंगाई दर अगस्त में 6.83 प्रतिशत थी। उस समय से इसमें गिरावट जारी थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर नवंबर महीने में बढ़कर 8.7 प्रतिशत रही जो अक्टूबर में 6.61 प्रतिशत और पिछले साल नवंबर में 4.67 प्रतिशत थी।

आपराधिक कानून: नए विधेयकों का मसौदा पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद की स्थाई समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों के मद्देनजर मंगलवार को लोकसभा में आपराधिक कानूनों से संबंधित तीन विधेयकों को वापस ले लिया और इनकी जगह नए विधेयक पेश किए। नए सिरे से पेश किए गए विधेयकों में आतंकवाद की परिभाषा समेत कम से कम पांच बदलाव किए गए हैं। भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक में आतंकवाद की परिभाषा में अब अन्य परिवर्तनों के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा शब्द भी शामिल है। शाह ने संसद के मानसून सत्र में सदन में पेश किए गए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने नए विधेयकों को पेश किया।

नौसेना दिवस समारोह की तैयारियां और पूर्वाभ्यास

मुंबई। नौसेना इन दिनों नौसेना दिवस समारोह की तैयारियों में जुटी हुई है। नौसेना कर्मियों ने मंगलवार को इंडिया गेट पर समारोह के लिए पूर्वाभ्यास किया।

तेलंगाना के डीजीपी का निलंबन रद्द

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार का निलंबन रद्द कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, कुमार द्वारा बिना शर्त माफी मांगने के बाद उनका निलंबन रद्द किया गया है। राज्य विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी रहने के दौरान कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख (अब मुख्यमंत्री) ए. रेवंत रेड्डी से एक गुलदस्ते के साथ मुलाकात करने के बाद, कुमार को तीन दिसंबर को निलंबित कर दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार ने आयोग से कुमार का निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया था क्योंकि उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी थी और अपनी गलती स्वीकार की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने धारा 6ए के मामले में फैसला सुरक्षित रखा

देश में अवैध प्रवासियों के सही आंकड़े जुटाना संभव नहीं: केंद्र

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों संबंधी आंकड़ा जुटना संभव नहीं है, क्योंकि ऐसे लोग देश में चोरी-छिपे प्रवेश करते हैं। शीर्ष अदालत असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर रही है। शीर्ष अदालत ने बाद में इससे संबंधित याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता,

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान, कपिल सिब्बल और अन्य की चार दिनों तक दलीलें सुनी। असम समझौते के दायरे में आने वाले लोगों की नागरिकता निर्धारित करने के लिए यह धारा नागरिकता अधिनियम में एक विशेष प्रावधान के रूप में शामिल की गई थी।

इससे पहले केंद्र ने न्यायालय में दाखिल हलफनामे में कहा कि अवैध रूप से रह रहे ऐसे विदेशी नागरिकों का पता लगाना, उन्हें हिरासत में लेना और निर्वासित करना एक जटिल प्रक्रिया है। चूंकि देश में ऐसे लोग गुप्त तरीके से और चोरी-छिपे प्रवेश कर जाते हैं, इसलिए देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे ऐसे अवैध प्रवासियों का सटीक आंकड़ा जुटाना संभव नहीं है।

क्या कहा गया है धारा 6ए में

1985 में संशोधित किए गए नागरिकता अधिनियम के अनुसार, जो लोग बांग्लादेश सहित अन्य निर्धारित क्षेत्रों से 1 जनवरी, 1966 को या उसके बाद, लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले असम आए थे और तब से पूर्वोत्तर राज्य के निवासी हैं, उन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए धारा 18 के तहत अपना पंजीकरण कराना होगा। यह प्रावधान असम में रह रहे प्रवासियों, खासकर बांग्लादेश से आए लोगों को नागरिकता प्रदान करने के लिए 'कट ऑफ' तारीख 25 मार्च,1971 तय करता है।

यह कहा था सुप्रीम कोर्ट ने

शीर्ष अदालत ने सात दिसंबर को अपने निर्देश में कहा था कि केंद्र, असम में एक जनवरी 1966 और 25 मार्च 1971 के बीच बांग्लादेशी नागरिकों को दी गई भारतीय नागरिकता के संबंध में आंकड़ा उपलब्ध कराए।

PM ने AI के खतरों के प्रति किया आगाह

AI का दुरुपयोग रोकने के लिए ठोस योजना बने

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित उपकरणों के आतंकवादियों के हाथ में पड़ने के खतरे को लेकर आगाह करते हुए कहा कि एआई के नैतिक उपयोग के लिए एक वैश्विक ढांचा बनाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'कृत्रिम मेधा पर वैश्विक साझेदारी' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एआई 21वीं सदी में विकास का सबसे बड़ा जरिया बन सकती है लेकिन यह 21वीं सदी का विनाश करने की भी समान रूप से ताकत रखती है।

उन्होंने कहा, डीपफेक, साइबर सुरक्षा और डेटा चोरी की चुनौती के अलावा एआई उपकरणों का आतंकवादियों के हाथों में पड़ना एक बड़ा खतरा है। अगर एआई से लैस हथियार आतंकवादी संगठनों तक पहुंच गए तो वैश्विक सुरक्षा को एक बड़े खतरे का सामना करना पड़ेगा। हमें इसके बारे में

गौर करना होगा और एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए एक ठोस योजना बनानी होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने जी20 समूह का अध्यक्ष रहते समय एआई के लिए एक जिम्मेदार, मानव-केंद्रित शासन ढांचा बनाने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा, जिस तरह हमारे पास विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के लिए समझौते और प्रोटोकॉल हैं, उसी तरह हमें एआई के नैतिक उपयोग के लिए भी एक वैश्विक ढांचा बनाना होगा। इसमें अधिक जोखिम और सीमांत एआई उपकरणों के परीक्षण और तैनाती का एक प्रोटोकॉल भी शामिल होगा।

FBI डायरेक्टर का दौरा: भारत ने अमेरिका से पूछा...

US में कितने खालिस्तानी रहते हैं?

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे भारत के दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में एनआईए मुख्यालय का दौरा किया और लगातार उभर रहीं चुनौतियों तथा आतंकवाद के खतरों से निपटने पर चर्चा की।

समझा जाता है कि एनआईए अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान क्रिस्फोटर से कहा गया कि अमेरिका खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों जानकारी उपलब्ध करवाएं जो वहां रहते हैं। एनआईए के महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने

संगठित आपराधिक गिरोह के सदस्यों और आतंकवादी समूहों की सक्रिय सांठगांठ पर प्रकाश डाला, जो अमेरिका में भी पैर पसार रहा है। यह बैठक अमेरिकी धरती पर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की नाकाम साजिश में एक भारतीय के शामिल होने के वाशिंगटन के आरोपों के बीच हुई है। भारत आरोपों की जांच के लिए पहले ही एक टीम गठित कर चुका है।

प्रदर्शन सीएम विजयन की रची साजिश थी : खान

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदर्शन को लेकर मंगलवार को सीएम विजयन के खिलाफ अपना आरोप दोहराया कि यह मुख्यमंत्री द्वारा रची गई साजिश थी। प्रदर्शनकारी उनके निर्देशों के अनुसार कार्य कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केरल में संवैधानिक तंत्र के पतन की शुरुआत है।सिर्फ इसलिए कि राज्य सरकार का नेतृत्व वामपंथी कर रहे हैं, केरल अधिनायकवादी या तानाशाही राज्य नहीं बन सकता और वहां कानून लागू होगा।

दलाई लामा ने दिए धार्मिक उपदेश

गंगटोक। तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने मंगलवार को सिक्किम के गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में श्रद्धालुओं को संबोधित किया और बौद्ध धर्म की शिक्षाओं के उपदेश दिए।

विपक्षी सदस्यों ने किया विरोध

सीईसी और ईसी की नियुक्ति संबंधी विधेयक को रास की मिली मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

राज्यसभा ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें एवं पदावधि) विधेयक 2023 को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे प्रस्तुत किया था।

उन्होंने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि अगस्त 2023 में यह विधेयक राज्यसभा में पेश किया गया था और मूल कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान नहीं था। उच्चतम न्यायालय ने सरकार को इस संबंध में एक कानून बनाने का

निर्देश दिया था जिसके आधार पर यह विधेयक लाया गया है।

विपक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए मेघवाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग निष्पक्ष है और इस संशेधन विधेयक के बाद भी निष्पक्ष ही रहेगा। यह सरकारी संशोधन विधेयक है।

उन्होंने कहा कि इसमें 'सर्च कमेटी' एवं चयन समिति का प्रावधान है। इसमें वेतन को लेकर भी एक प्रावधान है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को अदालती कार्रवाई से छूट

मेघवाल ने कहा कि इसमें एक प्रावधान है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त यदि कोई कार्रवाई करते हैं तो उन्हें अदालती कार्रवाई से छूट दी गई है।

निष्पक्षता प्रभावित होगी: विपक्ष

दूसरी ओर विपक्षी दलों ने विधेयक के कई प्रावधानों का तीखा विरोध करते हुए आशंका जतायी कि इससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने दावा किया कि इसके पीछे सरकार की मंशा निर्वाचन आयोग को 'जेबी चुनाव आयोग' बनाकर इसे अपनी मनमर्जी से चलाने की है। चर्चा शुरू करते लेते हुए कांग्रेस सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सरकार इस विधेयक के जरिये चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप का प्रयास कर रही है।

नियुक्ति के लिए बनेगी समिति

उन्होंने बताया कि अब तक इन पदों पर नियुक्तियों के लिए नाम सरकार तय करती थी, लेकिन अब इसके लिए एक खोज और चयन समिति के गठन का प्रस्ताव विधेयक में शामिल किया गया है। इस संशोधन विधेयक के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कैबिनेट सचिव के नेतृत्व में एक सर्च कमेटी बनाई जाएगी, जो कि पांच नामों को भेजेगी। इसके अलावा, एक चयन समिति भी बनाई जाएगी। प्रधानमंत्री इस चयन समिति के प्रमुख होंगे। उनके अलावा नेता विपक्ष लोकसभा, या सबसे बड़े राजनीतिक दल के व्यक्ति, और कैबिनेट मंत्री भी इसमें होंगे। यह चयन समिति सर्च कमेटी के अलावा अन्य नामों पर भी विचार कर सकेगी।

फारूक पहले बोले- कश्मीर को जहन्नुम में जाने दो, विरोध हुआ तो दी सफाई

नई दिल्ली। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर का दर्जा घटा केंद्र शासित प्रदेश कर उसे नर्क में तब्दील कर दिया। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने इससे पहले यह कहकर विवाद पैदा कर दिया कि 'कश्मीर को जहन्नुम में जाने दो।' कई समाचार चैनलों पर इस बारे में खबरें प्रसारित होने पर, अब्दुल्ला ने भाजपा से सवाल करते हुए स्पष्टीकरण दिया और पार्टी पर स्वर्ग को नर्क में तब्दील करने का आरोप लगाया। भाजपा अब्दुल्ला सरकार और उनकी पूर्ववर्ती सरकारों पर जम्मू-कश्मीर की देखरेख सही तरीके से नहीं करने का आरोप लगाती रही है, जिसके कारण तत्कालीन राज्य में आतंकवाद बढ़ा था।

जयपुर रंग महोत्सव: जवाहर कला केंद्र में हुआ नाटक 'चरणदास चोर' का मंचन

चोर ने मरते दम तक निभाए वचन

बेधड़क.जयपुर। 'मैं देखता हूं इंद्रधनुष का आठवां रंग, यह रंग है मेरी रचनात्मकता का' ये शब्द है बड़ा लेखक बनने का और ख्वाब लेकर झिलमिल नगरी पहुंचे राजवीर का...। ये थे राजवीर जो, नाटक 'मैजिक फ्रूट' के मुख्य पात्र थे। प्रयोगात्मक नाटक पहचान पाने को लालायित एक युवक की कहानी थी, जिसमें राजवीर अपने परिवार को छोड़कर शहर आता है और कहानी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। ये मैजिक फ्रूट नाटक जयरंगम-2023 में खेला गया, जो कई मैसेज दे गया। श्री एम डॉट बैंड थिएटर फैमिली सोसायटी की ओर से कला व संस्कृति विभाग और जवाहर कला केन्द्र के सहयोग से चल रहे जयपुर रंग महोत्सव (जयरंगम-2023) में मंगलवार को हबीब तनवीर पर भी चर्चा और डॉक्यूमेंट्री व उनके प्रसिद्ध नाटक चरणदास चोर का आयोजन हुआ।

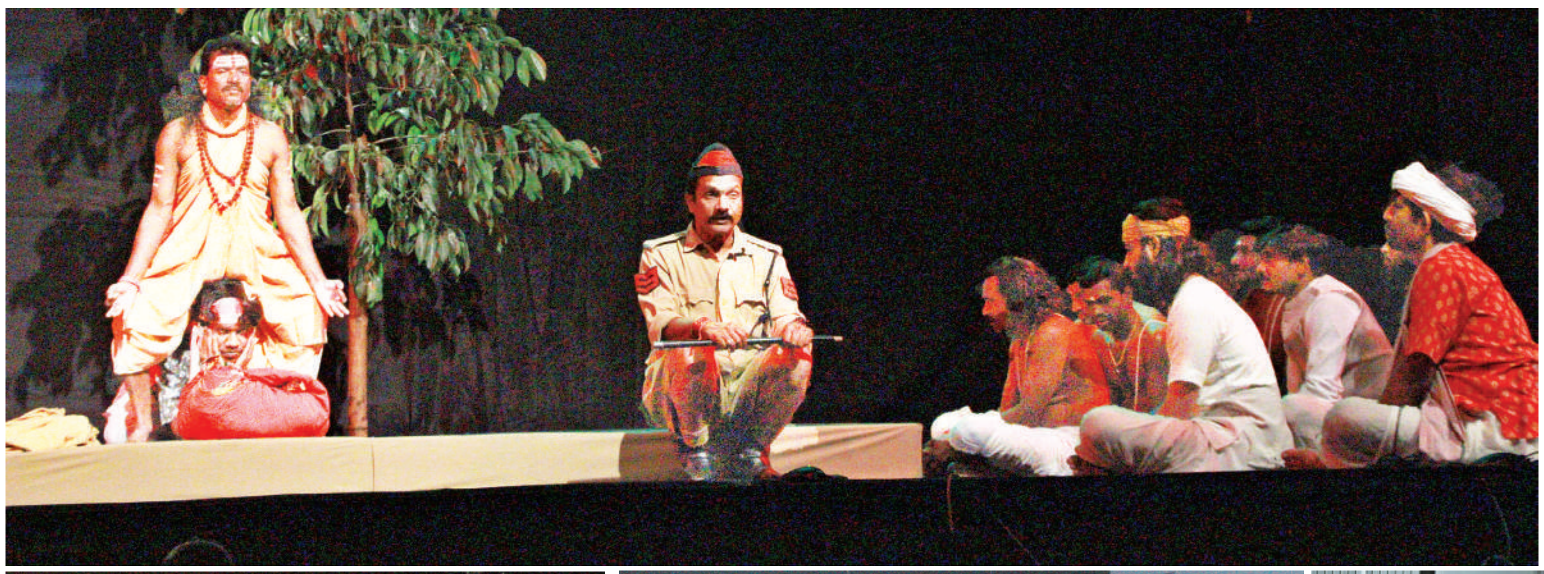

कहानियां ही बनी विरासत

'पुरातन भारतीय रंगमंच विश्व में विशेष पहचान रखता है। हबीब तनवीर उन विरले रंगकर्मियों में थे, जो लेखन और निर्देशन में बराबरी का दखल रखते थे। हबीब तनवीर और उनका रंगमंच पर चर्चा करते हुए समीक्षक व आलोचक अजीत राय ने यह बात कही। उनके साथ मंच पर रामचंद्र सिंह थे। दोनों वक्ताओं ने उनके रंगमंच, उनके द्वारा किए गए प्रयोगों और उनके जीवन से जुड़े अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला।

मैजिक फ्रूट में सत्य की खोज

'मैजिक फ्रूट' युवाओं को मंच प्रदान करने को स्पॉटलाइट में हुए नाटक में युवा निर्देशक वैष्णव व्यास के निर्देशन में हुआ। राजवीर के शहर आने पर वह नए गीत और कविताएं लिखता है। शब्दों या क्रिएटिविटी को बाजार की वस्तु समझने वाले प्रोड्यूसर उसे मौका नहीं देते है। इससे हताश उसकी जिंदगी अपने फ्लैट में सिमट जाती है और उसका साथी कमरे में छाया अंधेरा बनता है।

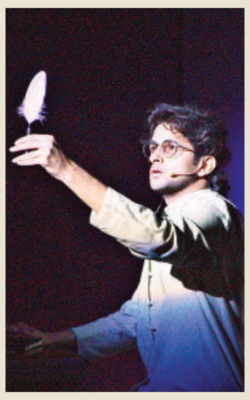

वादे का पक्का चरणदास चोर!

डॉक्यूमेंट्री 'गांव के नाऊ थिएटर, मोर नाऊ हबीब' भी इस दौरान दिखाई गई। इसमें चरणदास चोर तैयार करने के दौरान के दृश्य दिखाए गए। मध्यवर्ती में नाटक चरणदास चोर का मंचन हुआ। नाटक मूलत: विजयदान देथा की कहानी फितरती चोर पर आधारित है। नाटक एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो आदतन चोर है। चरणदास एक गांव से सोने की थाली चोरी करके फरार है, जिसके पीछे पुलिस है। चकमा देने के लिए आश्रम में प्रवेश करता है। गुरुजी का शिष्य बनने की इच्छा व्यक्त करने पर गुरुजी उसे हमेशा सच बोलने का प्रण दिलाते हैं। चरणदास मजाक में चार प्रण और लेता है कि सोने की थाली में नहीं खाऊंगा, किसी जुलूस में हाथी-घोड़े पर नही बैठूंगा, कभी किसी देश की रानी से शादी नही करूंगा और किसी देश का राजा नही बनूंगा। इन्ही वचनों पर पूरे कथानक का ताना-बाना है, जो एक-एक करके उसकी जिंदगी में सामने आते हैं और चरणदास वचनों के निर्वहन में मरते दम तक खरा उतरता है।

युवाओं ने लगाए चौके-छक्के

बेधड़क. जयपुर। चौके-छक्के लगाकर जब जीत मिली तो हर कोई डांस करते हुए खुशी बांटता दिखा। क्रिकेट का मैदान युवाओं के जोश से लबरेज रहा और कई मुकाबालों में रोमांचक मोड़ दिखे। नजारा था सेवियो प्रीमियर लीग (एसपीएल) का, जो जगतपुरा में नैना क्रिकेट अकादमी में आयोजित की गई। क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 6 टीमों ने दमखम दिखाया और 7 मैचों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। टूर्नामेंट में रोमांचक सेमीफाइनल मैच हुए, जिनमें कई रोमांचक कर देने वाले ओवर शामिल रहे। विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया तो वहां मौजूद उनकी फेमिली रोमांचित और उत्साहित हो उठीं। परिवार के सदस्यों ने भी बाउंड्री लाइन के पास बैठकर चीयर किया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान

बेधड़क. जयपुर। संरक्षा के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत कर मोटिवेट किया गया। मौका था उत्तर-पश्चिम रेलवे में संरक्षा व कार्य समीक्षा का, जिसमें अच्छा काम करने वालों को सम्मान दिया गया। महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे अमिताभ ने बेहतर सुविधाओं की बात की। उन्होंने कहा कि संरक्षा के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। हमारे लिए संरक्षा सर्वोपरी है और इसके लिए हमें नियमानुसार कार्य करना है। इस दौरान नेमीचन्द चाबीवाला को सम्मानित किया। चाबीवाला बीकानेर मण्डल ने ड्यूटी के दौरान जुहारपुरा स्टेशन यार्ड में मालगाड़ी गुजरने के दौरान असामान्य आवाज सुनने पर ट्रैक का निरीक्षण किया और देखा कि रेल में फ्रैक्चर है, जिसे ठीक कराया गया।

City इवेंट्स

जयपुर के दो युवा करेंगे न्यू जेनरेशन को ट्रेंड

बेधड़क. जयपुर। सभी बच्चे गर्मियों की छुटियों में घर चले जाते थे। सिर्फ हम दोनों ही थे जो कॉलेज हॉस्टल में रहकर रिसर्च करते रहते थे। दोनों ने पॉकेट मनी के पांच-पांच सौ रुपए मिलाकर शुरुआत की और अब स्टार्टप को बढ़ावा दे रहे हैं।' यह कहानी है जयपुर के एमएनआईटी के पूर्व छात्र प्रत्युष सोनी और आकाश बंसल की, जो अब अपने जैसे कॉलेज गोइंग्स को आगे बढ़ा रहे हैं। वे स्टार्टअप फ्रैक्सस 3-डी से लैब मेकरस्पेस के जरिए यंग जनरेशन को प्रमोट कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कोई भी टैलेंटेड यहां आकर रजिस्ट्रेशन करा सकता है। इस मौके पर आर्किटेक्ट डॉ. अनूप बरतारिया ने दोनों युवाओं को इस पहल के लिए मोटिवेट किया। डॉ. बरतारिया ने कहा कि मेकरस्पेस एक अच्छी पहल है जो शिक्षा व नवाचार के उभरते परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाती है।

कराटे में अक्षिता ने जीता गोल्ड

बेधड़क. जयपुर। जयपुर का टैलेंट दिल्ली के तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में दिखाई दिया। वहां हुई 16वीं कामागाता कप कराटे चैंपियनशिप में शहर की अक्षिता डागर ने गोल्ड मैडल पर कब्जा जमाया। चैंपियनशिप में 10 राज्यों से लगभग 700 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें से अक्षिता ने 11 के आयु वर्ग में स्वर्ण जीता। स्टूडेंट्स को उनकी उपलब्धि पर कोच निर्मल बोहरा ने मोटिवेट किया।

200 बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

बेधड़क. जयपुर। सर्दी से बचने के लिए जब बच्चों को गर्म कपड़े बांटे गए तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। मौका था जवाहर नगर स्थित कच्ची बस्ती के 200 बच्चों को स्वेटर, जुराबे आदि वितरित करने का। कुलदीप बैंसला ने बताया कि मुख्य अतिथि शिक्षा सचिव नवीन जैन रहे। विशिष्ट अतिथि भामाशाह ओमप्रकाश जैन टोंक रहे। पार्षद नीरज अग्रवाल, ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी मुकुल कविया, प्रधानाचार्य शिल्पी अग्रवाल, समाजसेवी माया बोथरा, शिक्षाविद पंडित नीरज मोहन शर्मा आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को शॉल पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। नवीन जैन ने विशेष संदेश दिया। माया बोथरा ने चॉकलेट बांटी।

मार्गशीर्ष की देवकार्य अमावस्या पर कई आयोजन

गोशालाओं में गायों को चारा डाला जरूरतमंदों को बांटे गर्म कपड़े

बेधड़क | जयपुर

छोटी काशी में मार्गशीर्ष माह की देवकार्य अमावस्या पर जयपुराइट्स ने पितृों के निमित्त हवन-तर्पण किया। गोशालाओं में गायों को चारा और गुड़ खिलाया गया तो लोगों ने रैन बसेरों में शरण लिए लोगों को गर्म कपड़े और भोजन वितरित किए। साथ ही मंदिरों में विशेष झांकियां सजाई गईं।

संतों ने बताया धार्मिक मान्यता है कि अमावस्या के दिन पितृ अपने परिजनों से भोग प्राप्त करने के लिए पृथ्वी लोक पर आते हैं और भोग प्राप्त कर जातक को आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में पितृों के निमित्त गोग्रास निकाल कर ब्राह्मण को भोजन कराया गया। वस्त्र-भेंट देकर आशीर्वाद लिया भी लिया गया। साथ ही श्रद्धालुओं ने काल सर्प योग और पितृ दोष से मुक्ति के लिए विशेष अनुष्ठान किए। बड़ी संख्या में लोगों ने गलताजी पहुंचकर स्नान किया। अग्रवाल फार्म के श्याम पार्क में स्थानीय लोगों ने गौ माता के लिए विभिन्न तरह की कच्ची सब्जी, चपाती और हरा चारा एकत्र कर प्रकाशदास महाराज की गोशाला पहुंचाई।

इस काम में बड़ी संख्या में युवा भी शामिल रहे, जिन्होंने बड़ों से सीख लेकर धर्म-कर्म करने की बात की। बड़े-बुजुर्गों के साथ युवाओं ने भी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और धार्मिक बातें सीखीं। इस दौरान गलता में सर्दी होने के बाद भी लोग पहुंचे और पावन स्नान के बाद पूजा-अर्चना कर शांति और खुशहाली की कामना की। वहां मंदिरों में मत्था टेका और संतों का आशीर्वाद लिया।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल-2024 की तैयारियां शुरू

पुलित्जर अवॉर्डी से रूबरू होने के साथ मायानगरी के गीत होंगे खास

बेधड़क | जयपुर

साहित्य प्रेमी इस बार साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कवयित्री अरुंधति सुब्रमण्यम, लेखिका चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी, बुकर प्राइज से सम्मानित उपन्यासकार दमों गल्गुट, पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित लेखक हर्नन डिअज, जीवनीकार पत्रकार केय बर्ड, सुप्रीम कोर्ट इंडिया और सुप्रीम कोर्ट फिजी के भूतपूर्व जज जस्टिस मदन बी. लोकुर, इंटरनेशनल बुकर प्राइज से सम्मानित अनुवादक और कलाकार डेजी रॉकवेल से रूबरू होने का मौका मिलेगा। मौका होगा जयपुर लिटरेचर फेस्ट का। ऐसे में पांच दिनों तक 'धरती का सबसे बड़ा साहित्यिक शो' कहलाने वाले फेस्टिवल का आयोजन 1 से 5 फरवरी तक जयपुर में किया जाएगा, जिसमें ये नाम शामिल किए गए हैं। फेस्टिवल के पांचों दिन श्रोताओं के लिए विचारोत्तेजक वार्ताएं, बेमिसाल म्यूजिकल परफोर्मेंसस के साथ ही फेस्टिवल के बुक स्टोर और फेस्टिवल बाजार से पसंदीदा किताबें और वस्तुएं खरीदने का अनुभव खास होगा। जयपुराइट्स को साहित्य के साथ म्यूजिक का समावेश देखने को मिलेगा, क्योंकि लिटरेचर फेस्टिवल के समानांतर ही चलने वाला जयपुर म्यूजिक स्टेज तीन शानदार शामें लेकर आएगा। इस दौरान द तापी प्रोजेक्ट और द रिविजिट प्रोजेक्ट जैसे बैंड, प्रतिभा के धनी प्रभ दीप, बहुभाषी गीतकार हरप्रीत, मुंबई के संगीतकार सलमान इलाही और उभरता हुआ बैंड वेन चाय मेट टोस्ट परफॉर्म करेंगे।

भ्रमण कार्यक्रम फील्ड में समझी विभिन्न बारीकियां, अजमेर-चाकसू का किया दौरा

गर्ल्स से बात कर जानी संदनशीलता से जुड़ी कहानियां

बेधड़क | जयपुर

जयपुर से युवा प्रदेश के कई हिस्सों में गए और अजमेर में गैर सरकारी संगठन महिला जन अधिकार विकास समिति की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों को बारीकी से समझा।

वहीं, एक ग्रुप चाकसू ब्लॉक के भ्रमण पर गया और उन्होंने सिकोईडिकोन एनजीओ की ओर से चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस यात्रा के लिए टीम लीडर प्रीति तंवर और पल्लवी को बनाया गया व को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी रजत ने संभाली। मौका था संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए), हरिदेव जोशी पत्रकारिता व जनसंचार विश्वविद्यालय और लोक संवाद संस्थान के सहयोग से जेंडर संवेदनशीलता की समझ बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे चार महीने के प्रोजेक्ट का। अब सभी यात्रा के बाद जेंडर संवेदनशीलता से जुड़ी विभिन्न कहानियों पर आधारित लेख लिखेंगे।

महिलाओं के कामों को समझा

अजमेर में 15 युवाओं के ग्रुप ने समाज में महिलाओं-युवतियों को किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इस बारे में भी जाना। संस्थान से जुड़ी मोनिका और शीला ने सखी केंद्रों के बारे में बताया, जहां महिलाएं अपनी बात साझा कर सकती हैं। किचन गार्डन मुहिम को समझा। वहां लड़कियों से बात कर उनकी बदलाव की कहानी को भी जाना।

कार्यक्रमों को विस्तार से जाना

दूसरा ग्रुप जयपुर जिले के चाकसू ब्लॉक गया, जहां सिकोईडिकोन संस्था के सहयोग से जेंडर एकीकरण के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बारे में जाना। दल ने केएसएस और सहकारी समितियों की महिलाओं के साथ बैठक की। साथ ही उन्हें बापू गांव एनीकट भी ले जाया गया। इस दौरान छात्रों ने बाल विवाह से प्रभावित लड़कियों को मजबूत बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बारे में जानकारी ली।

बाधाएं तब ही डरावनी लगती हैं, जब आपकी आंखें लक्ष्य से भटकने लगती हैं।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

पाक में मिलिट्री बेस पर फिदायीन हमला, 23 सैनिकों की मौत

अब सेना पर TJP का अटैक

एजेंसी | पेशावर (पाकिस्तान)

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में मंगलवार को पाकिस्तानी तालिबान से संबंधित आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों की चौकी को विस्फोटक से लदे वाहन से टक्कर मार देने के कारण 23 सैनिक मारे गए।

सेना ने कहा कि दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले की सीमा से लगे अशांत डेरा इस्माइल खान जिले में प्रवेश करने के उनके मंसूबों को 'प्रभावी ढंग से विफल' कर दिए जाने के बाद आतंकवादियों ने विस्फोटकों से भरे वाहन को चौकी की इमारत में टक्कर मार दी। इस हमले के बाद आत्मघाती हमला भी किया गया जिसके कारण इमारत ढह गई और कई लोग हताहत हुए। सेना ने कहा कि 12 दिसंबर की सुबह डेरा इस्माइल खान के दरबान इलाके में छह आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की चौकी पर हमला कर दिया। इसमें कम से कम 23 सैनिक मारे गए। आधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने सभी हमलावरों को मार गिराया।

हमले की जिम्मेदारी ली

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से संबंद्ध और नवगठित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। इसके प्रवक्ता मुल्ला कासिम ने इस हमले को आत्मघाती मिशन (फिदायीन हमला) करार दिया। पाकिस्तान में कुछ बड़े हमलों के पीछे इस आतंकी संगठन का हाथ रहा है।

सुरक्षा और सैन्य प्रतिष्ठानों पर लगातार आतंकी हमले

अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान को हिंसा में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे साल आतंकी और अलगाववादी सुरक्षा बलों को निशाना बनाते रहे हैं। आतंकवादियों ने पाकिस्तान में सुरक्षा और सैन्य प्रतिष्ठानों पर लगातार हमले किए हैं। 4 नवंबर को टीजेपी आतंकवादियों ने लाहौर से 300 किमी दूर पाकिस्तान वायु सेना के मियांवाली प्रशिक्षण वायुसेना अड्डे पर हमला किया था, जिसमें तीन विमान क्षतिग्रस्त हो गए। देश में तीन अलग-अलग आतंकी हमलों में 17 सैनिकों के मारे जाने की घटना के एक दिन बाद हुई सेना की कार्रवाई में सभी हमलावर मारे गए।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से पूर्व पीएम को मिली राहत

अल-अजीजिया भ्रष्टाचार केस में नवाज शरीफ बरी

एजेंसी | इस्लामाबाद

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अल-अजीजिया स्टील मिल भ्रष्टाचार मामले में बरी कर दिया। अदालत का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब अगले चुनाव में उनकी नजरें प्रधानमंत्री के तौर पर रिकॉर्ड चौथे कार्यकाल पर टिकी हैं।

शरीफ (73) को भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने दिसंबर 2018 में सात साल की जेल की सजा सुनाई थी और उन पर भारी जुर्माना लगाया था। अदालत ने शरीफ की यह दलील स्वीकार नहीं की थी कि 2001 में उनके पिता द्वारा सऊदी अरब में स्थापित स्टील मिल से उनका कोई लेना-देना नहीं था। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अल-अजीजिया मामले में शरीफ को बरी कर दिया।

उन्हें एवेनफील्ड मामले में पहले ही बरी कर दिया गया था, जिसमें उन्हें जुलाई 2018 में दोषी ठहराया गया था और दस साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उन्हें भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में भी राहत मिली, जिसमें उन्हें 2018 में अदालत द्वारा निर्दोष करार दिया गया था, लेकिन बरी किए जाने को एनएबी द्वारा इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी।

तीन बार रह चुके हैं प्रधानमंत्री

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, एकमात्र पाकिस्तानी राजनेता हैं, जो रिकॉर्ड तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। वह फरवरी 2024 में होने वाले आम चुनावों में अपनी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए अक्टूबर में देश लौट आए।

क्या है अल-अजीजिया मामला

पनामा पेपर्स में नाम सामने आने के बाद राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने 8 सितंबर 2017 को नवाज शरीफ और उनके परिवार के खिलाफ अल-अजीजिया स्टील मिल्स केस दर्ज किया था। नवाज शरीफ के पिता मोहम्मद शरीफ ने 2001 में सऊदी अरब में अल-अजीजिया मिल्स की स्थापना की थी। शरीफ परिवार का कहना था कि इसके लिए सऊदी सरकार ने कर्ज दिया था और इसके बदले एक संपत्ति गिरवी भी रखी गई थी। जबकि, एनएबी का कहना था कि इस मिल की स्थापना पाकिस्तान में जुटाए गए कालेधन से की गई थी। इसके लिए हिल मेटल के नाम से एक कंपनी बनाई गई। कालेधन को सफेद किया गया। भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने एनएबी की जांच को सही ठहराया था और नवाज शरीफ को दोषी करार दिया था। अदालत ने नवाज शरीफ को दिसंबर 2018 में सात साल की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई थी। अल अजीजिया स्टील मामले में नवाज शरीफ जेल की सजा काट रहे थे। अक्तूबर 2019 में इलाज के नाम पर लंदन गए। इसके बाद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले में अपराधी घोषित कर दिया था। हालांकि, पिछले माह ही करीब चार साल बाद फिर से वह देश लौट आए हैं।

भुट्टो की मौत की सजा पर फिर से सुनवाई शुरू

पाक के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो की दी गई मौत की सजा पर फिर से विचार करने के पूर्व राष्ट्रपति के अनुरोध के बाद मंगलवार को मामले की सुनवाई फिर से शुरू कर दी है। पूर्व राष्ट्रपति ने 2 अप्रैल, 2011 को कोर्ट से मौत की सजा पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया था।

गोपनीय राजनयिक कैबल लीक मामले में सुनवाई कल

पाक की एक विशेष अदालत ने गोपनीय राजनयिक कैबल के मामले में पूर्व पीएम इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ सुनवाई को बुधवार तक के लिए स्थगित कर लिया। न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्केरनैन ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में मामले की कार्यवाही का नेतृत्व किया, जहां दोनों नेता इस मामले में बंद हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग बोले...

'भारत-पाक आपस में सुलझाएं कश्मीर मुद्दा'

एजेंसी | बीजिंग

अनुच्छेद 370 को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर मुद्दा भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद और मंत्रणा के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

इस मुद्दे पर पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल पर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि कश्मीर के मुद्दे पर चीन की स्थिति पूर्ववर्त और स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच यह बेहद पुराना विवाद है और इसे संयुक्त राष्ट्र घोषणा-पत्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों और प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जाना चाहिए।

माओ ने कहा कि इससे जुड़े पक्षों को संवाद और मंत्रणा के माध्यम से विवाद को सुलझाने और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता स्थापित करने की जरूरत है। पाकिस्तान ने सोमवार को इस मामले मे प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अनुच्छेद 370 पर भारत के उच्चतम न्यायालय के फैसले का 'कोई कानूनी महत्व नहीं' है। इसके साथ ही उसने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून भारत की पांच अगस्त, 2019 की 'एकतरफा और अवैध कार्रवाइयों' को मान्यता नहीं देता है।

अमेरिका में राष्ट्रपति के उम्मीदवार

रामास्वामी को जान से मारने की धमकी

एजेंसी | कॉनकॉर्ड (अमेरिका)

भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी अमेरिका में अगले साल 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार है। इसी बीच विवेक रामास्वामी को जान से मारने की धमकी दी गई है।

राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार रामास्वामी ने आरोप लगाते हुए कहा कि न्यू हैम्पशायर के एक व्यक्ति ने 11 दिसंबर को आयोजित इलेक्शन प्रोग्राम के दौरान विवेक रामास्वामी को जान से मारने का धमकी भरा मैसेज भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का नाम नहीं बताया। हालांकि, रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी के प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि उनका चुनावी अभियान पहले से निर्धारित था। उन्होंने एक बयान में कहा, 'कानून प्रवर्तन अधिकारी जिस तत्परता से इस मामले से निपटे, उसके लिए हम उनके आभारी हैं और सभी अमेरिकियों की सुरक्षा की कामना करते हैं।

आरोपी को किया गया गिरफ्तार

इस मामले में 30 वर्षीय टायलर एंडरसन को को गिरफ्तार किया गया और उस पर जान से मारने की धमकी भेजने का आरोप है। आरोपी के वकील ने मामले में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार उस व्यक्ति को शुक्रवार को एक मैसेज मिला, जिसमें उसे पोर्ट्समाउथ में सोमवार के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई थी।

धमकी भरे दो मैसेज मिले

एफबीआई एजेंट ने कोर्ट को बताया चुनाव अभियान कर्मचारियों को धमकी भरे दो मैसेज मिले। एक में रामास्वामी को सिर में गोली मारने की धमकी शामिल थी और दूसरे में कार्यक्रम में आने वाले सभी को मारने की धमकी दी। एफबीआई ने कहा कि सेलफोन नंबर आरोपी व्यक्ति (टायलर एंडरसन) का था। एफबीआई एजेंटों ने उस व्यक्ति के घर की तलाशी ली। कोर्ट को बताया गया कि आरोपी ने एक इंटरव्यू में एफबीआई को बताया कि उसने कई अन्य अभियानों में भी इसी तरह के संदेश भेजे थे।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl